संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -37 शुक्रवार ,08 दिसम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

रेवंत रेड्डी बने तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री

» 11 मंत्रियों ने भी ली शपथ

» मंत्रियों में दो महिलाएं भी शामिल

हैदराबाद,07 दिसम्बर 2023(ए)। कांग्रेस विधायक दल के नेता रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने एलबी स्टेडियम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम में रेवंत रेड्डी को मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

रेवंत रेड्डी तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के पहले मुख्यमंत्री नियुक्त हुए। दरअसल, साल 2014 में तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था और तब से यहां पर के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में भारत राष्ट्र समिति की सरकार थी। हालांकि, इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बीआएस को शिकस्त देकर सरकार का गठन किया।

समारोह में कौन-कौन रहे मौजूद ?

साल 2014 में बने राज्य के उप मुख्यमंत्री के तौर पर मल्लू बी. विक्रमार्क ने शपथ ली। एलबी स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी और वायनाड सांसद राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी और कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के अलावा एक उप मुख्यमंत्री सहित 11 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इनमें दो महिला विधायक भी शामिल हैं। मंत्री पद की शपथ लेने वाले विधायकों में एन उत्तम कुमार रेड्डी, सी दामोदर राजनरसिम्हा, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, थुम्माला नागेश्वर राव सहित अन्य शामिल हैं।

पीएम मोदी ने नए सीएम को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने कहा, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर रेवंत रेड्डी गारू को बधाई। मैं राज्य की प्रगति और उसके नागरिकों के कल्याण के लिए हरसंभव समर्थन का आश्वासन देता हूं।

टीडीपी से कांग्रेस में हुए थे शामिल

सनद रहे कि कांग्रेस ने बीआरएस को हराकर 119 में से 64 सीटों पर कब्जा किया, जबकि बीआरएस महज 39 सीटें जीतने में कामयाब हो पाई। नए मुख्यमंत्री की बात की जाए तो उन्होंने साल 2017 में टीडीपी को अलविदा कहा और कांग्रेस का दामन थाम लिया था। जून 2021 में रेवंत रेड्डी को एन उत्तम कुमार रेड्डी की जगह कांग्रेस ने प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया था।

बीजेपी संसदीय दल की बैठक आज

» 3 राज्यों के सीएम के नाम पर लग सकती है मुहर...

वसुंधरा राजे दिल्ली पहुंची

नई दिल्ली,07 दिसम्बर 2023(ए)। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्रियों के चयन पर सस्पेंस के बीच बीजेपी संसदीय दल की आज मीटिंग होगी। बताया जा रहा है कि इस बैठक में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों के नाम पर चर्चा हो सकती है। इसके लिए इन राज्यों के सीनियर लीडर भी दिल्ली बुलाए गए हैं। वहीं इसी बीच वसुंधरा राजे सिंधिया आज सुबह दिल्ली भी पहुंच गई। मीटिंग में वसुंधरा के शामिल होने की उम्मीद है।पार्लियामेंट लाइब्रेरी बिल्डिंग में होने वाली बैठक में पीएम मोदी को सम्मानित किया जाएगा। संसदीय दल की मीटिंग में पार्टी के सभी लोकसभा और राज्यसभा सदस्य शामिल होंगे। इसकी बैठक आम तौर पर सत्र के दौरान हर सप्ताह होती है। बैठकों में मोदी सहित इसके नेता संसद में एजेंडे और पार्टी के संगठनात्मक तथा राजनीतिक अभियानों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर बोलते हैं।बता दें कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बड़ी जीत के बाद बीजेपी ने अभी तक मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान नहीं किया है। पार्टी को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में शानदार जनादेश मिला है। इसने न केवल उनके विपक्षी दलों को बल्कि उन कुछ सर्वेक्षणकर्ताओं को भी चौंका दिया, जिन्होंने इन राज्यों में कड़े मुकाबले की भविष्यवाणी की थी।

आईटी का कांग्रेस नेता के ठिकानों पर छापा

» नोटों की गड्डियों से खचाखच भरी मिली कांग्रेस नेता की अलमारी

रांची,07 दिसम्बर 2023 (ए)। झारखंड में कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकानों से बड़ी मात्रा में नकदी जब्त की गई है। बताया जा रहा है कि इनकम टैक्स (आईटी) विभाग की टीम ने धीरज साहू के आवास समेत 5 ठिकानों पर छापेमारी की। खास बात यह है कि एक अलमारी में नोटों की गड्डियां रखी थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तकरीबन 100 करोड़ रुपये से अधिक नकदी मिली है। हालांकि, नोटों की गिनती अभी जारी है। धीरज साहू के रांची में रेडियम रोड स्थित सुशीला निकेतन आवास के अलावा ओडिशा के बलांगीर, संबलपुर और कालाहांडी, लोहरदगा स्थित आवास समेत पांच स्थानों पर तलाशी ली गई।

इनकम टैक्स विभाग की टीम ने लोहरदगा स्थित आवास पर दस्तावेजों की जांच भी की। इस ऑपरेशन के दौरान किसी को भी परिसर में प्रवेश की इजाजत नहीं थी। आईटी टीम सुबह से देर रात तक काम करती रही।

छापेमारी में इनकम टैक्स को इतना पैसा मिला कि काउंटिंग मशीन खराब हो गई

इनकम टैक्स विभाग की यह कार्रवाई ओडिशा के बोलांगीर, संबलपुर और झारखंड के रांची, लोहरदगा में की, जो अब भी जारी है। सूत्रों के मुताबिक छापेमारी में बुधवार तक ही 50 करोड़ रुपए के नोटों की गिनती पूरी कर ली गई थी, लेकिन नोटों की संख्या ज्यादा होने के कारण मशीनों ने काम करना बंद कर दिया।

आयकर विभाग की टीम ने ओडिशा और झारखंड में बौध डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड पर छापेमार कार्रवाई की। इस रेड में कंपनी से जुड़े ठिकानों से भारी मात्रा में नोटों की गड्डियां बरामद की गई।

छापे में मिले कैश का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बुधवार सुबह तक ही आयक विभाग की टीम ने 50 करोड़ रुपए बरामद कर उनकी गिनती भी कर ली है। सहालांकि, यह रेड अभी खत्म नहीं हुई है। आईटी डिपार्टमेंट के लोग अब भी बौध डिस्टिलरीज के ठिकानों पर मौजूद हैं और कार्रवाई को अंजाम दे रहे हैं।

यहां भी आयकर की कार्रवाई

बौध डिस्टिलरीज के अलावा आयकर विभाग ने झारखंड के एक प्रसिद्ध उद्योगपति और कारोबारी रामचंद्र रूंगटा के ठिकानों पर भी छापेमारी की है। उनके रामगढ़, रांची और अन्य स्थानों पर स्थित आवास और प्रतिष्ठानों में आयकर विभाग का छापा सुबह से चल रहा है।

बताया जा रहा है कि रामचंद्र रुंगटा के रामगढ़ और रांची में स्थित कई ठिकानों पर सर्वे चल रहा है। इनकम टैक्स के अधिकारियों को यहां सीआरपीएफ के जवान सुरक्षा मुहैया करा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक रामगढ़ जिला के कई स्थानों पर स्थित फैक्ट्री और आवास में जांच चल रही है। वही रामगढ़ शहर के पंजाब नेशनल बैंक के निकट स्थित रामचंद्र रूंगटा के आवासीय कार्यालय में भी सुबह से अधिकारी जुटे हैं। यहां पांच गाड़ियों से अधिकारी पहुंचे हैं।

महुआ मामले में एथिक्स कमेटी आज लोकसभा में पेश करेगी जांच रिपोर्ट

बीजेपी ने सांसदों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली ,07 दिसम्बर 2023(ए)। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के निर्देश पर जांच करने वाली सदन की एथिक्स कमेटी शुक्रवार को अपनी जांच रिपोर्ट लोकसभा में पेश कर सकती है। एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट को लोकसभा में पेश करते समय हंगामे के हालात बन सकते हैं।

विपक्षी दलों के रवैये को देखते हुए रिपोर्ट को स्वीकार करते समय अथवा टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ कार्रवाई करते समय सदन में वोटिंग की नौबत आ सकती है। इसे देखते हुए भाजपा ने अपने सभी लोकसभा सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर शुक्रवार को सदन की कार्यवाही के दौरान दिनभर सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

आपको बता दें कि महुआ मोइत्रा मामले में एथिक्स कमेटी ने अपनी जांच रिपोर्ट को पिछले महीने 10 नवंबर को ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेज दिया था। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में लोकसभा अध्यक्ष बिरला के निर्देश पर पूरे मामले की जांच कर एथिक्स कमेटी ने लगभग 500 पन्नों की अपनी रिपोर्ट तैयार की थी, जिसे एथिक्स कमेटी की बैठक में 6-4 के अंतर से मंजूर कर लिया गया था।

सूत्रों के मुताबिक, एथिक्स कमेटी ने महुआ मोइत्रा पर लगे आरोपों को काफी गंभीर मानते हुए उनके आचरण को आपत्तिजनक और अनैतिक करार दिया है। इसी को आधार बनाकर कमेटी ने महुआ की संसद सदस्यता रद्द करने या फिर गहन जांच की रिपोर्ट आने तक उनकी सदस्यता निलंबित करने की सिफारिश की है।

कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में भारत सरकार से इस पूरे मामले की समयबद्ध, गहन, कानूनी और संस्थागत जांच की सिफारिश करते हुए महुआ मोइत्रा और दर्शन हीरानंदानी के बीच पैसों के लेन-देन की भी गहन जांच करने की सिफारिश की है। कमेटी ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की सिफारिश की है।

एक फरवरी को अंतरिम बजट लाएगी सरकार

निर्मला सीतारमण बोलीं-नहीं होगी कोई बड़ी घोषणा

नई दिल्ली,07 दिसम्बर 2023 (ए)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले 1 फरवरी, 2024 को संसद में पेश किया जाने वाला आगामी केंद्रीय बजट एक नियमित बजट नहीं होगा, बल्कि केवल लेखानुदान होगा, इसलिए सरकार कोई बड़ी घोषणा नहीं करेगी।

लेखानुदान एक अंतरिम बजट है, जिसके माध्यम से मौजूदा सरकार नई सरकार के कार्यभार संभालने तक देश को चलाने के लिए आवश्यक व्यय के लिए संसद की मंजूरी मांगती है। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई के ग्लोबल इकोनॉमिक पॉलिसी फोरम 2023 में सीतारमण ने कहा, एक फरवरी का बजट सिर्फ एक वोट ऑन अकाउंट है; अगली सरकार आने तक खर्चों को पूरा करने वाला बजट है। कोई बड़ी घोषणा नहीं होगी। आपको आम चुनाव के बाद तक इंतजार करना होगा।वैश्विक आर्थिक नीति के बारे में बात करते हुए, सीतारमण ने कहा कि विकास पर वैश्विक जुड़ाव की आवश्यकता है और ग्लोबल साउथ की चिंताओं पर गति बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के ट्रांजिशन की लागत एक चिंता का विषय है और ग्लोबल साउथ के खिलाफ यूरोपीय संघ के कार्बन टैक्स मानदंड नैतिक रूप से अनुचित हैं।

बिहारियों और सनातन धर्म को गाली

» डीएनए वाले बयान पर भड़की बीजेपी

» कांग्रेस के साथ नीतीश-तेजस्वी को भी लपेटा

पटना,07 दिसम्बर 2023(ए)। भाजपा विधानमंडल दल के नेता विजय सिन्हा ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा बिहार के डीएनए पर आपत्तिजनक एवं अपमानजनक टिप्पणी पर पूछा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मौन क्यों हैं, उन्हें जबाब देना चाहिए। सिन्हा ने कांग्रेस से भी प्रश्न किया है कि बिहारियों और सनातन धर्म को गाली दिलवाकर कांग्रेस क्या सिद्ध करना चाहती है?विजय सिन्हा ने कहा कि पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पुत्र ने सनातन धर्म को बीमारी की संज्ञा देते हुए इसे समाप्त करने की बात की, पूरा देश इससे अवगत है। अब उनके सांसद सेंथिल कुमार ने सनातन पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए के नेता समाज को बांटने एवं देश को कमजोर करने में लगे हैं। सवा सौ करोड़ सनातन के संतानों का अपमान भी करेंगे और उनपर शासन भी करेंगे। यह कैसे सम्भव है।

हाई कोर्ट ने डीजीपी से पूछा कितने पुलिस अधिकारियों पर चल रही आपराधिक कार्यवाही

प्रयागराज, 07 दिसम्बर 2023(ए)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई में दिखाई जा रही नरमी पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने पुलिस महानिदेशक से कहा है कि किसी वरिष्ठ अधिकारी को नियुक्त कर पता करें कि यूपी में कितने पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जा रही है। अगली सुनवाई पर पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। अगली सुनवाई 10 जनवरी 2024 को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की पीठ ने जौनपुर के रूपेश कुमार सिंह की ओर से आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने डीजीपी से कहा है कि ऐसे पुलिस अधिकारियों की जिलेवार सूची रिकॉर्ड में लाते हुए एक शपथ पत्र दाखिल किया जाए, जो किसी आपराधिक मामले में शामिल हैं। उनके खिलाफ समन, जमानती वारंट या गैर-जमानती वारंट जारी किए गए हैं लेकिन उन समन/वारंट की समय पर तामील नहीं की गई है और मुकदमे की कार्यवाही में देरी हो रही है।

आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में मैक इन इंडिया निभा रही प्रबल भूमिका:अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली,07 दिसम्बर 2023 (ए)। रेल संचार इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री भारत सरकार अश्विनी वैष्णव जीने आज रेल भवन नई दिल्ली से एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया जिसमें उन्होने ज़ोर देते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा शुरू की गई मैक इन इंडिया आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में प्रबल भूमिका निभा रही है । आगे उन्होने कहा कि. देश की अर्थव्यवस्था में एक बड़ा मोड़ आया है जिसे आपके साथ शेयर करना जरूरी था।

आज़ादी के बाद देश में 40.50 वर्षों तक लगातार विनिर्माण या तो गिरावट हुई या असुविधाएँ आई। हम उस परिस्थितियों में अब पहुंच गए हैंए जब हम बहुत जल्दी 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात के लिए तैयार हो गए और उसके पीछे की नींव है। विनिर्माण की।

आज हमारा निर्यात 762 अरब डॉलर का है। 453 बिलियन डॉलर. माल का निर्यात 309 अरब डॉलर .सेवाओं का निर्यात ।

देश में औपचारिक रोजगार दिखता है। कम से कम 2 गुना उनका अनौपचारिक रोजगार होता है । जो औपचारिक रोजगार पहले था करीब.करीब 6 लाख लाख महीना हुआ था ;साल भर का 70 लाख के आसपास आज वह महीने का 14.15 लाख आ गया है औसत ;साल भर का 1 करोड़ 80 लाख के आसपास आज से 10.12.15 साल पहले अगर बात करें तो सबसे ज्यादा निर्यात पेट्रोलियम का होता थाए बाद में नाम आता था तो चावल का। इस तरह से चार पांच नामआये थे ।

पिछले साल मोबाइल फोन का निर्यात 11 अरब डॉलर ;लगभग 90.000 करोड़ रुपये था। इस साल मोबाइल फोन की मैन्युफैक्रिंग करीब.करीब 50 बिलियन डॉलर ;करीब 4.00 000 करोड़ रुपये होने वाली है। एक्सपोर्ट 15 बिलियन डॉलर से अधिक ;1.25.000 करोड़ रुपये।

खिलौने केवल और केवल आयात होते थे। आज खिलौनों का निर्यात 4.000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

यह 2022.23 का निर्यात का डेटा ईस प्रकार है ।.

पेट्रोलियम . 97 बिलियन डॉलर फार्मास्यूटिकल्स . 19 बिलियन डॉलर दूरसंचार उपकरण . 12 बिलियन डॉलर विद्युत मशीनरी . 11 बिलियन डॉलर एल्युमीनियम . 8 बिलियन डॉलर मोटर वाहन . 8.7 बिलियन डॉलर इलेक्ट्रॉनिक घटक . 4 बिलियन डॉलर लोहा और इस्पात . 13 अरब डॉलर ।

टीडीके. जापान की बहुत अच्छी कंपनी है। टीडीके ने भारत में मोबाइल फेन की बैटरी बनाने की घोषणा की है। मोबाइल फ़ेन की जो केसिंग होती हैए वह केसिंग आज टाटा द्वारा निर्मित की जा रही है और बहुत ही सटीकता से निर्मित की जा रही है।

बीजेपी विधायकों को रिसॉर्ट में किसने रोका ?

» आरोप लगने से कन्फ्यूज़न बढ़ी तो वसुंधरा राजे ने अमित शाह को दी सफाई

» मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा किसे चुनेगी इस पर सस्पेंस

» विधायकों को सीकर रोड पर बने रिसॉर्ट में रोका गया

जयपुर,07 दिसम्बर 2023(ए)। राजस्थान में नए मुख्यमंत्री को लेकर चल रही हलचल के बीच भाजपा विधायक ललित मीणा के पिता हेमराज मीणा ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह पर विधायकों की बाड़ेबंदी करने और उन्हे जबरन रोकने का आरोप लगाया है। हेमराज खुद पूर्व विधायक हैं। इस बार वसुंधरा की मर्जी से उनका टिकट काटकर पुत्र ललित को टिकट दिया गया था।

मीणा ने गुरूवार को जयपुर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि मंगलवार देर रात बांरा-झालावाड़ जिलों के विधायकों को दुष्यंत सिंह जयपुर लेकर आए थे। विधायकों को सीकर रोड़ स्थित आपणो राजस्थान रिसोर्ट में रूकवाया गया। इस दौरान कुछ विधायक दिल्ली रोड़ स्थित किसी रिसोर्ट में जाने को लेकर बातचीत कर रहे थे तो ललित को बाड़ेबंदी का शक हुआ। इस पर उन्होंने अपने पिता को फोन किया। पिता ने प्रदेशाध्यक्ष सी.पी.जोशी व संगठन महामंत्री चंद्रशेखर को फोन पर इस बारे में जानकारी दी।

गाड़ी पर किया गया पथराव!

हेमराज ने आरोप लगाया कि जब वे जोशी व अन्य पदाधिकारियों के साथ अपने पुत्र को लेने के लिए पहुंचे तो वहां मौजूद विधायक कंवरलाल ने विरोध करते हुए कहा, दुष्यंत की मर्जी के बिना यहां से किसी को नहीं लेकर जा सकते हैं। हेमराज ने कहा, मैने दुष्यंत सिंह को फोन किया, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया। इसके बाद जोशी और विधायक भजनलाल शर्मा रिसोर्ट में पहुंचे और ललित को अपने साथ लेकर आए। कंवरलाल के समर्थकों ने हमारी गाड़ी पर पथराव भी किया। जिससे गाड़ी का शीशा टूट गया।

हेमराज ने कहा ,मैं और मेरा पुत्र पार्टी के साथ हैं। सीएम का फैसला पार्टी करेगी। सूत्रों के अनुसार इस बारे में वसुंधरा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से बात की है। उन्होंने शाह से बाड़ेबंदी जैसी किसी तरह की घटना से इनकार किया है।वसुंधरा ने ट्वीट कर कहा,राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा की प्रचंड विजय इस बात का प्रतिक है कि पीएम नरेन्द्र मोदी की गारंटी के आगे कांग्रेस के झूठे वादे और दावे नहीं चले।

संपादकीय

विपक्षी पार्टियों की ओर से सीट बंटवारे का दबाव

कांग्रेस अब तक सीट बंटवारे की बात टालती रही थी। इसका एक कारण तो स्थानीय था। कई राज्यों में कांग्रेस की प्रदेश ईकाई सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए तैयार नहीं थी। एक दूसरा कारण यह था कि कांग्रेस को उम्मीद थी कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में वह बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगी और उसके बाद उसकी मोलभाव की क्षमता बढ़ जाएगी। लेकिन अब कांग्रेस ने मोलभाव की अपनी क्षमता गंवा दी है। पांच राज्यों में वह सिर्फ तेलंगाना में जीती बाकी चार राज्यों में वह हार गई है। चार में सिर्फ राजस्थान में पार्टी भाजपा को टक्कर दे पाई। बाकी तीन राज्यों- मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में बहुत बुरी तरह से हारी। मिजोरम में कांग्रेस किंगमेकर बनने के सपने देख रही थी लेकिन वहां उसे सिर्फ एक सीट मिली है। पिछली बार उसने पांच सीटें जीती थीं।

बहरहाल, बुधवार यानी छह दिसंबर को विपक्षी पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' की अनौपचारिक बैठक दिल्ली में होनी है। रविवार को जिस समय चार राज्यों के नतीजे आ रहे थे और कांग्रेस पिछड़ रही थी उसी समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 28 विपक्षी पार्टियों की बैठक बुलाने का फैसला किया। पहले से सूचना नहीं मिलने के बहाने ममता बनर्जी बैठक से दूरी बना रही हैं। बाकी पार्टियां भी हो सकती हैं कि खानापूर्ति के लिए बैठक में प्रतिनिधि भेजें। असल में विपक्षी पार्टियां अब चाहती हैं कि कांग्रेस सीट बंटवारे पर अपना रुख साफ करे तो उसके बाद बैठक हो। वैसे भी अब कांग्रेस के पास कोई बहाना नहीं बचा है। सीट बंटवारे में ज्यादा सीट लेने के लिए विपक्षी पार्टियां यह दावा कर रही हैं कि हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में, जहां कांग्रेस हारी है वहां अगर उसने विपक्षी गठबंधन की पार्टियों के साथ तालमेल किया होता तो जीत सकती थी। हालांकि कांग्रेस आंकड़ों के साथ इसका जवाब देगी लेकिन नतीजों की वजह से वह बैकफुट पर है। ऊपर से अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने यह दावा किया है कि वह उत्तर भारत की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। इसका भी मकसद ज्यादा सीट हासिल करना है। अब यह देखना होगा कि कांग्रेस दबाव में आकर ज्यादा सीट देती है या अपने इस स्टैंड पर कायम रहती है कि राष्ट्रीय चुनाव में भाजपा को वही टक्कर दे सकती है इसलिए ज्यादा सीटें उसे लड़नी चाहिए।

बाल कहानी

कैकू और क्रैबी

खरखरा जलाशय के आसपास के गाँवों के किसानों ने अपने सूखे खेतों में पानी ले जाने के लिए सिंचाई विभाग को अर्जी देकर जलाशय के मेन गेट को खुलवाया। पानी बड़ी तेजी से नहर नाली में बहने लगा। नहर नाली के मेड़किनारे में एक छोटा सा गड्ढा था। इस गड्ढे में मकरू केकड़ा सपरिवार रहता था। तेज जलप्रवाह के चलते मकरू का परिवार सम्भल नहीं पाया। एक भारी चट्टान से टकरा गया। पूरा परिवार तहस-नहस हो गया। मकरू के दो नन्हे बच्चों-कैकू और क्रैबी को छोड़ कर सभी काल के गाल में समा गये।

कहते हैं न कि ऊपरवाले ने जिनके तकदीर में जितने दिन लिख दिया, उतने दिन तो उन्हें जीना ही है। कैकू और क्रैबी को लगने लगा कि आज उन्हें एक नया जीवन मिला है। उन्होंने अपनी सलामती के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया। चूँकि कैकू बड़ा था, इसलिए क्रैबी को ढाँढस बंधाते हुए कहा- चिंता मत करना भाई। दुनिया में हमारे जैसे कई अनाथ बच्चे हैं। हम समझें, एक विपत्ति आई; और टल गयी। शुक्र करो कि हम बच गये। यूँ समझ लो कि माता-पिता और उन भाई-बहनों का हमारा साथ इतने ही दिनों के लिए था। अपने बड़े भाई कैकू की समझाइस से क्रैबी में हिम्मत आई। कैकू के और करीब आते हुए बोला- भैया ! मुझे छोड़कर कहीं नहीं जाना।

तू कैसी बात करता है क्रैबी। मैं तुम्हें भला कैसे छोड़ सकता हूँ मेरे भाई। अब तो हम दोनों केवल एक दूसरे के लिए ही हैं। ऐसी बात कभी मत करना क्रैबी। कैकू की बातें सुन क्रैबी उससे लिपट गया। फिर दोनों एक साथ तैरते हुए बहुत दूर निकल गये। तभी उन्हें एक बिल दिखाई दिया। बिल के निकट गये। उन्हें बिल खाली व सुरक्षित लगा। वे बिल के अंदर घुस गये।

कैकू और क्रैबी अपने इस घर में बहुत खुश थे। वे अब जवान भी होने लगे थे। वैसे क्रैबी की कद-काठी कैकू से कम थी, क्योंकि उम्र में वह कैकू से बहुत छोटा था। पर दोनों भाई एक-दूसरे को बहुत चाहते थे। बड़ी आत्मीयता थी दोनों में। होना भी था, आखिर कोई तो नहीं थे उनके एक-दूसरे के सिवाय। कहीं भी जाना होता तो दोनों घर से एक साथ निकलते थे; और एक साथ ही वापस आते। हर खाने की चीज को मिल-बाँटकर खाते थे। यह भी सच है कि विपरीत परिस्थितियों ने दोनों भाईयों को उम्र से अधिक परिपक्व बना दिया था। अच्छे और बूरे समय में जीना सीख गये थे दोनों भाई। घर के आसपास कभी भी किसी तरह के खतरे का अहसास होता, झट से उनके कान खड़े हो जाते। बड़ी चालाकी से अपने घर में घुस जाते ; और दरवाजे को मिट्टी से ऐसे ढँक लेते कि किसी को पता तक नहीं चलता कि बिल के अंदर कोई रहता भी है। इस तरह कैकू और क्रैबी के सुख के दिन बीत रहे थे।

एक बार भीषण गर्मी के चलते नाली सुखने लगी। बहुत कम पानी रह गया। कैकू और क्रैबी अपने घर से कुछ ही दूरी पर आराम फरमा रहे थे। उन्हें नींद भी आने लगी थी। तभी उड़ता हुआ बक्कू बगुला आया। वह बड़ा धूर्त था। भरपेट मछली खाकर आ रहा था। बड़ा खुश था। अपने से छोटे जीव-जंतुओं को सताने में उसे बड़ा मजा आता था। उसकी नजर कैकू और क्रैबी पर पड़ी। उन्हें देखकर बक्कू के मुँह में पानी आ गया। वह अपनी धूर्तता पर उतर आया। देखा कि कैकू अपने दोनों दाढ़ों को जोड़कर सो रहा है। बक्कू को अच्छा मौका मिल गया। सोने पे सुहागा। कैकू के दोनों दाढ़ों को पकड़ लिया। कैकू हड़बड़ा गया। वह कुछ समझ नहीं पाया। तभी बक्कू के पंखों की आवाज से क्रैबी सतर्क हो गया। उसे माजरा समझ आ गया। देखा कि कैकू भैया को बक्कू बगुला ने पकड़ लिया है; और वह कुछ नहीं कर पा रहा है। फिर क्रैबी बिजली की तरह बक्कू पर टूट पड़ा। उसने अपने दोनों दाढ़ों से बक्कू के गरदन को पकड़ लिया। बक्कू क्रैबी के दाढ़े से अपनी गरदन को छुड़ा पाता; इससे पहले क्रैबी ने गरदन को पूरी तरह से कस लिया। बक्कू बगुला दर्द के मारे कराहने लगा। उसे दिन में तारे नजर आने लगे। यह सब देख आँखों में आँसू लिये सरांगी नाम की मछली ने बक्कू बगुले को किसी तरह की सहायता करना उचित नहीं समझा, क्योंकि उसके सभी बच्चे भी बक्कू बगुले के भेंट चढ़ चुके थे।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
(छत्तीसगढ़)

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अराजनीतिक सलाहकारों,यू ट्यूबर्स और आंकड़ेबाजों से डूब रही हैं कांग्रेस

कांग्रेस मिजोरम का भी विधानसभा चुनाव हार गई। और बहुत बुरी तरह से। लेकिन यू ट्यूब पर आंकड़ों का विश्लेषण करने वाले पुराने सैफोलॉजिस्ट योगेंद्र यादव मिजोरम में कांग्रेस को बड़ी ताकत के तौर पर उभरता हुआ बता रहे थे। दावा कर रहे थे कि कांग्रेस के बिना वहां कोई सरकार नहीं बनेगी। मगर कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली जबकि पहली बार चुनाव लड़ी जोरम पीपुल्स मूवमेंट ने दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। सोचें, कांग्रेस की आंधी बताई गई तो उसकी सीट पांच से घट कर एक हो गई। इसी तरह कांग्रेस मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, और राजस्थान में चुनाव हारी है। कांग्रेस के सारे नेता हैरान-परेशान घूम रहे हैं। उनको समझ में नहीं आ रहा है, जब सारे लोग कह रहे थे कि कांग्रेस इन राज्यों में जीतेगी तो कैसे हार गई?

हारने की इस रियलिटी के बीच तमाम आंकड़ेबाज नेता, सोशल मीडिया के इन्फ्लूएन्सर्स और यू ट्यूबर्स नए आंकड़ों के साथ हल्ला करते हुए हैं। कांग्रेस के गुरदीप सप्पल और सुप्रिया श्रीनेत के साथ-साथ योगेंद्र यादव भी आंकड़ों के हवाले कथित सचाई बता रहे हैं। योगेंद्र यादव ने नतीजों के बाद एक वीडियो यू ट्यूब पर डाला 'हैट्रिक का मिथक और आंकड़ों का सच'। इस आंकड़ाई हवाबाजी से लोगों को समझा रहे है कि मिजोरम को छोड़ कर चार राज्यों में कांग्रेस को भाजपा से ज्यादा वोट मिले हैं।

निश्चित ही आंकड़ों की सत्यता पर सवाल नहीं है। सही है कि चार राज्यों में भाजपा को चार करोड़ 81 लाख वोट मिले हैं तो कांग्रेस को चार करोड़ 90 लाख वोट मिले हैं। लेकिन असल में यह कांग्रेस नेतृत्व को बरगलाने का प्रयास है, जो हर बार होता है और इस वजह से कोई बड़ा बदलाव नहीं हो पाता है। सोचें, पिछले विधानसभा चुनाव में यानी 2018 में जब मध्य प्रदेश में कांग्रेस जीती थी और सरकार बनाई थी तब भाजपा को कांग्रेस से 0.13 फीसदी वोट ज्यादा मिले थे। यानी ज्यादा वोट लेकर भी भाजपा हारी थी। लेकिन तब भाजपा के किसी नेता या उसके लिए काम करने वाले आंकड़ेबाजों ने इस आधार पर हार को जीत नहीं बताया था।

क्या इन आंकड़ेबाजों को पता नहीं है कि वोट प्रतिशत या वोटों की संख्या एक तकनीकी मामला है और जीत-हार का गणित उससे अलग भी हो सकता है? यह बिल्कुल उसी तरह की बात है, जैसे कोई नदी की औसत गहराई निकाल कर नदी पार करने की कोशिश करे। कांग्रेस के नेता और उसके समर्थक आंकड़ेबाज, यू ट्यूबर्स जो आंकड़े बता रहे हैं उसमें 60 लाख वोट का अंतर सिर्फ तेलंगाना से है। वहां भाजपा को 32 लाख के करीब वोट मिल हैं, जबकि कांग्रेस को 92 लाख के करीब वोट हैं। कांग्रेस इस वोट को बाकी तीन राज्यों के साथ जोड़ कर यह साबित करने में लगी है कि वह हारी नहीं है। अगर तेलंगाना को हटा दें तो हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में भाजपा को कांग्रेस से 50 लाख वोट ज्यादा मिले हैं। इसी उत्तर भारत में कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में भाजपा का असली मुकाबला करना है। लेकिन कांग्रेस के नेता आंख बंद करके समझ रहे हैं कि सामने खतरा नहीं है। और सचमुम पिछले कई सालों से कांग्रेस इसी एप्रोच में राजनीति कर रही है। उसे हकीकत दिखाई नहीं दे रही है या गैर-सरकारी संगठनों वाले झोलाछाप बुद्धिजीवी, वामपंथी विचारक, यू ट्यूबर्स और सोशल मीडिया के इन्फ्लूएन्सर्स उसे हकीकत नहीं देखने दे रहे हैं।

कांग्रेस को भाजपा से उत्तर भारत में लड़ना है, जहां वह बुरी तरह से हारी है। तीन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस के बीच दो से लेकर आठ फीसदी तक वोट का अंतर है। लेकिन कांग्रेस के आंकड़ेबाज या आलाकमान के आसपास चक्कर काटने वाले परजीवी किस्म के नेता चार राज्यों का औसत निकाल कर बता रहे हैं कि कांग्रेस को कितना वोट मिल गया। दिग्विजय सिंह जैसे समझदार नेता पोस्टल बैलेट में कांग्रेस को ज्यादा वोट मिलने की बात करके इशारा कर रहे हैं कि ईवीएम में गड़बड़ी है। हकीकत यह है कि पोस्टल बैलेट में सरकारी कर्मचारियों के वोट हैं, जिन्होंने पुरानी पेंशन योजना की कांग्रेस की घोषणा से प्रभावित होकर वोट दिया। इसके बावजूद अगर ईवीएम पर सवाल उठाना है तो वह अलग राजनीति है लेकिन अभी इसका समय नहीं है।

जाहिर है कांग्रेस के अराजनीतिक सलाहकारों और आंकड़ेबाजों की वजह से कांग्रेस लगातार हारती जा रही है, वह डूब रही है। दरअसल, कांग्रेस के लिए राजनीति अब उसके नेता नहीं कर रहे हैं, बल्कि मैनेजर कर रहे हैं। उसके लिए नीतियां पार्टी के जमीनी नेता नहीं, बल्कि गैर-सरकारी संगठनों के अराजनीतिक लोग बना रहे हैं। कभी सैम पित्रोदा नीति बनाते हैं, तो कभी के राजू के हवाले नीति बनाने का काम होता है तो कभी योगेंद्र यादव नीति बनाने आ जाते हैं। जेएनयू ब्रिगेड अलग राहुल गांधी को ज्ञान देती रहती है, जिसमें कभी सीताराम येचुरी 'बॉस' बन कर राजनीति समझाते हैं तो कभी कन्हैया कुमार की क्रांतिकारिता चलती है। कभी सनातन का विरोध है तो कभी जाति गणना और 'जितनी आबादी उतना हक' का नारा है तो कभी मोहब्बत की दुकान है, पहले 'चौकीदार चोर है' का नारा था। इस तरह की सलाह देने वाले अच्छी अंग्रेजी में या भारी भरकम वैचारिक शब्दावली में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देकर योजना बनाते हैं और घुट्टी देते है किइस पर पूरी पार्टी को अमल करना होता, जबकि वास्तविकता इनके पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन से बिल्कुल अलग होती है।

ठीक बात है कि भाजपा से कांग्रेस को विचारधारा की लड़ाई लड़नी है लेकिन वह लड़ाई क्या सोशल मीडिया स्पेस में लड़ी जाएगी, भाषणों, व्याख्यानों से लड़ी जाएगी या जमीन पर लड़ी जाएगी? कांग्रेस के नेता इस भ्रम में रहते हैं कि सोशल मीडिया ने नैरटिव सेट कर दिया है। लोग उसे पसंद कर रहे हैं और इसलिए अब चुनाव जीत जाएंगे। हैरानी की बात है कि वैचारिक लड़ाई भी कांग्रेस के लिए यू ट्यूबर्स लड़ रहे हैं। अपने एजेंडे के तहत चैनल वाले गांधी-सावरकर की बहस कराते हैं, नेहरू पर हमला करते हैं और यू ट्यूब में सब्सक्राइबर बढ़वाने में लगे कथित इतिहासकार वहां कांग्रेस का पक्ष रखते हैं। बाद में कांग्रेस के नेता उनके वीडियो वायरल करने की जिम्मेदारी निभाते हैं।

राजनीतिक लड़ाई हो, चुनावी लड़ाई हो या विचारधारा की लड़ाई हो कांग्रेस उसे जमीन पर नहीं लड़ रही है। वह हवा में लड़ रही है। सोशल मीडिया में पोस्ट और यू ट्यूब वीडियो के लाइक व व्यूज गिन कर अपनी लड़ाई जीत रही है। ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू ट्यूब पर व्यूज व लाइक से कांग्रेस यह बता रही है कि राहुल गांधी अब नरेंद्र मोदी से ज्यादा लोकप्रिय हो गए। सोशल मीडिया से नैरेटिव बनाने का मुगालता कांग्रेस ने पाला है। इन्फ्लूएन्सर्स बता रहे हैं कि सोशल मीडिया में अब राहुल की पोस्ट को नरेंद्र मोदी से ज्यादा लोग देख रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा कि संसद के पिछले सत्र में विश्वास मत पर हुई बहस में राहुल के भाषण को नरेंद्र मोदी के जवाब के मुकाबले ज्यादा लोगों ने देखा। कांग्रेस उस पर ऐसे उछलने लगी, जैसे राहुल ने मोदी को हरा दिया हो। इसी तरह विश्व कप क्रिकेट का फाइनल मैच हारने के बाद मोदी के लिए सोशल मीडिया में पनौती ट्रेंड हुआ तो राहुल गांधी ने अपने भाषण में मोदी को पनौती बता दिया। क्या सोशल मीडिया का ट्रेंड देख कर भाषण का कंटेंट तय होगा? हर महीने एक आंकड़ा आता है, जिसमें बताया जाता है कि डिजिटल कंटेंट में 30 सबसे लोकप्रिय लोगों में 25 से ज्यादा ऐसे हैं, जो नरेंद्र मोदी और भाजपा के विरोधी हैं। डीबी लाइव से शुरू करके सत्य हिंदी तक और पुण्य प्रसून वाजपेयी से लेकर आशुतोष, अभिसार शर्मा से लेकर आरफा खानम शेरवानी तक के कंटेंट काफी देखे जाते हैं। इसमें यह भी बताया जाता है कि भाजपा और मोदी समर्थकों में सिर्फ दो-चार ही लोग लोकप्रिय हैं।

ये मूर्खता भरे आभासी दुनिया के आंकड़े हैं, जिनका वास्तविकता से दूर दूर तक नाता नहीं होता है। कांग्रेस के नेताओं को यह समझ में ही नहीं आता है कि यू ट्यूब का अल्गोरिद्म कैसे काम करता है और वहां किस तरह से चैनल के सब्सक्राइबर और फॉलोवर बनते हैं। यू ट्यूबर्स या सोशल मीडिया इन्फ्लूएन्सर्स एक वैचारिक लाइन पकड़ते हैं और उस पर बढ़-चढ़ कर दावे करते हैं, जिससे उनकी फॉलोवर्स की संख्या बढ़ती जाती है। जैसे जिन लोगों ने मोदी विरोध की लाइन पकड़ी है वे बहुत लोकप्रिय इसलिए हैं कि क्योंकि मोदी विरोधी लोग, जिसमें बड़ा हिस्सा भाजपा विरोधी पार्टियों के समर्थकों और मुस्लिम समुदाय के लोगों का है, उनके वीडियो देखते हैं और उसे पसंद करते हैं। सारे यू ट्यूबर्स उनको खुश रखने के लिए बढ़ चढ़ कर मोदी विरोध करते हैं। हर चुनाव में भाजपा को हारते और कांग्रेस को जीतते दिखाते हैं। वे अपनी चुनी इस लाइन से नहीं हट सकते हैं क्योंकि जैसे ही वे वस्तुनिष्ठ होंगे उनको लोग अनसब्सक्राइब करने लगेंगे। वे अपने सब्सक्राइबर के बंधक हो जाते हैं। तभी हर बार गलत साबित होने के बाद भी किसी न किसी आंकड़े से उसको जस्टिफाई करते हैं।

इस तरह से यू ट्यूबर्स गुजरात में भी कांग्रेस को जीता रहे थे और पांच राज्यों के चुनाव में भी कांग्रेस की जीत का दावा कर रहे थे। योगेंद्र यादव ने पांचों राज्यों में कांग्रेस की जीत का गणित समझाया था, जिससे कांग्रेस में ऐसी हवा भरी थी कि कई राज्यों में नतीजों से पहले नेताओं ने होर्डिंग और पोस्टर बनवा लिए थे। पुण्य प्रसून वाजपेयी ने नतीजों से दो दिन पहले एक वीडियो यू ट्यूब पर डाला था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि 'आएगा तो मोदी ही कहने वालों तक का भ्रम टूटने लगा है'। नतीजों से एक दिन पहले वीडियो बनाया, 'इंतजार कीजिएज्कल का जनादेश बदल देगा देश के हालात'! इन दोनों वीडियो को यू ट्यूब पर करीब 10-10 लाख व्यूज मिले। उनका काम व्यूज बटोरना है लेकिन कांग्रेस नेता इस भ्रम में थे कि सचमुच चुनाव जीत रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सोशल मीडिया के सहारे ही चुनावी लड़ाई लड़ने से कांग्रेस का नुकसान हुआ है लेकिन उसके अलावा कांग्रेस के पास मजबूत संगठन नहीं है, वैचारिक एकरूपता नहीं है, राजनीतिक अभियानों में निरंतरता की कमी है, आपसी तालमेल कमजोर है और जमीनी स्तर पर लड़ने की मशीनरी नहीं है। इन मुद्दों पर कल चर्चा करेंगे।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मिजोरम में बदलाव के लिए मतदान के पीछे युवा आकांक्षाएं हैं

मिजोरम में चुनाव नतीजे उम्मीद के अनुरूप रहे। सत्ता-विरोधी लहर आसन्न थी और मिज़ो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) की कोशिश की गई और परीक्षण किया गया, और उन्हें कमजोर पाया गया। ज़ोरम पीपल्स मूवमेंट , क्षेत्रीय ताकतों का एक समूह, एक नई सोच के लिए एक आंदोलन था जिसके लिए बदलाव चाहने वाले मिज़ो की प्रगतिशील नई पीढ़ी ने वोट दिया है। जेडपीएम ने निवर्तमान सीएम ज़ोरमथांगा पर भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का आरोप लगाया। बेशक, मिजोरम को शिक्षित और लगभग साक्षर आबादी (91.93त्न) और बड़े पैमाने पर सूचित मतदाता होने से लाभ होता है। सबसे कम साक्षरता दर वाला जिला लांग्टलाई (65.88 प्रतिशत) है। अगर कोई एक चीज है जो आज के मिजोरम को चिह्नित करती है, और जिसके लिए राजधानी आइजोल संकेतक है, तो वह युवाओं की उद्यमशीलता की भावना है। कई युवा महिलाएं और पुरुष जिन्होंने राज्य के बाहर पढ़ाई की है या प्रशिक्षण लिया है, अब वापस आकर अपने छोटे-छोटे स्टार्ट-अप शुरू कर रहे हैं। यह पहली बार है जब मिजोरम ने तीन महिला विधायकों को चुना है ङ्क दो जेडपीएम से और एक एमएनएफ से। कांग्रेस ने अप्रत्याशित रूप से बहुत खराब प्रदर्शन किया है, केवल एक उम्मीदवार जीता है, जबकि भाजपा को दो विधायक मिले हैं, 2018 के चुनाव के बाद से एक और सीट। एमएनएफ अब 10 विधायकों पर सिमट गया है।

मिजोरम के राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि वे इस बात से चिंतित हैं कि कई नए, युवा चेहरों और पूर्ण बहुमत वाली नई पार्टी ङ्कको मजबूत विपक्ष का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनका विचार है कि एक मजबूत विपक्ष बेहतर नियंत्रण और संतुलन सुनिश्चित करेगा।

जेडपीएम नेता लालदुहोमा, एक पूर्व आईपीएस अधिकारी, जिन्होंने पहले गोवा में अपने दांत खट्टे किए और बाद में नई दिल्ली में पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षा प्रभारी बने, मिजोरम के नए मुख्यमंत्री होंगे। 1984 में वह पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए, लेकिन दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित होने वाले पहले सांसद भी बने। 2020 में, लालदुहोमा को विधायक के रूप में अयोग्यता का सामना करना पड़ा, लेकिन सेरछिप जीतकर लौट आए। इसलिए मिजोरम के नए मुख्यमंत्री का राजनीतिक करियर काफी रंगीन है।

मीडिया से बातचीत में लालदुहोमा ने कहा कि मिजोरम के लोगों को एक विकल्प प्रदान करने के लिए 2018 में जेडपीएम का गठन किया गया था। उन्होंने कहा कि लोगों ने एमएनएफ और कांग्रेस को काफी पसंद किया है और वे बदलाव के लिए तैयार हैं और जेडपीएम सरकार और प्रशासन में वह बदलाव लाएगी जिसकी उन्हें जरूरत थी। शायद जिस बात ने कांग्रेस और एमएनएफ के खिलाफ माहौल बना दिया, वह यह थी कि फरवरी 1987 में मिजोरम के अस्तित्व में आने के बाद से लोगों ने उनका प्रदर्शन देखा है। मिजोरम में कांग्रेस का सबसे प्रसिद्ध चेहरा, लालथनहावला, जो सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री भी रहे, को आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ा। संपत्तियां। वह एक व्यवसायी, जोधराज बैद और उनके अकाउंटेंट पुष्पा शर्मा से जुड़ा हुआ था। ज़ोरमथांगा पर ऐसा कोई सीधा आरोप नहीं है लेकिन उन पर भाई-भतीजावाद का आरोप है।

मिजोरम में, लोगों ने या तो कांग्रेस या एमएनएफ को राज्य पर शासन करने के लिए चुना है। 1998 में, कांग्रेस एमएनएफ से हार गई, जिसने 10 साल तक शासन किया, इससे पहले कांग्रेस ने 2008 से 2018 तक 10 साल तक शासन करने के लिए सत्ता वापस ले ली। फिर से, 2018 में, मिजोरम ने एमएनएफ को सत्ता में चुना। यह केवल उम्मीद की जा सकती है कि यह सत्ता का खेल दो प्रमुख पार्टियों के बीच है एक मिजोरम समझौते पर हस्ताक्षर करने वाली पार्टी के रूप में मिज़ो राष्ट्रवाद की लहर पर सवार है, जिसने लगभग 20 साल के विद्रोह को समाप्त कर दिया, और कांग्रेस, जिसका दावा है संघर्ष विराम पर हस्ताक्षरकर्ता और मिज़ोरम में शांति की शुरुआत करने वाला एक दिन ख़त्म हो जाएगा और लोग बदलाव की आकांक्षा करेंगे।

-हरिसॉन मसीह-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की सीट-बंटवारे की कमी की आलोचना करने वाली ममता बनर्जी

कांग्रेस के लिए उनके सहयोगियों द्वारा चाकू तैयार हैं। तीन केंद्रीय राज्यों में चुनावी हार के बाद, कल होने वाली इंडिया ब्लॉक बैठक को कुछ प्रमुख नेताओं की अनुपलब्धता के कारण स्थगित करना पड़ा। इससे भी बुरी बात यह है कि चुनाव परिणाम से गठबंधन को दूर करने के लिए कांग्रेस गठबंधन सहयोगियों के बीच एक स्पष्ट प्रयास किया गया है- ममता बनर्जी ने परिणामों को कांग्रेस के लिए हार बताया। इस शरारत के कुछ कारण हैं। कांग्रेस पर यह आरोप सही है कि वह इस दौर के चुनावी मुकाबलों में सहयोगियों के साथ सीटें साझा करने या उन्हें संयुक्त प्रचार के लिए आमंत्रित करने की मांग को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। सुश्री बनर्जी ने हाल ही में तर्क दिया था कि समय पर सीट-बंटवारे का फॉर्मूला नतीजों को उलट सकता था।

विशिष्ट जनसांख्यिकीय निर्वाचन क्षेत्रों के बीच मतदान पैटर्न के आंकड़ों के आलोक में सुश्री बनर्जी के दावे की जांच करना दिलचस्प होगा। रिपोर्टों से पता चलता है कि मध्य प्रदेश में, भारतीय जनता पार्टी ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 26 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 9 सीटें जीतीं; छत्तीसगढ़ में, हालाँकि भाजपा ने कांग्रेस की तुलना में कम निर्वाचन क्षेत्र जीते, लेकिन वह अपनी संख्या दोगुनी करने में सफल रही; राजस्थान में, भाजपा ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 34 सीटों में से 22 सीटें जीतीं और उसे राज्य के अन्य पिछड़े वर्गों से अधिकांश समर्थन प्राप्त हुआ। भारत के लिए भी उतनी ही चिंताजनक बात आदिवासी बहुल बेल्टों पर भाजपा का हमला होगा। छत्तीसगढ़ में, उसने अपेक्षित 29 आदिवासी सीटों में से 17 पर जीत हासिल की; मध्य प्रदेश और राजस्थान के आंकड़े क्रमशः 24 और 12 थे। यह अनुमान का विषय है कि क्या कांग्रेस के सहयोगियों के बीच सीटें बांटने का फॉर्मूला चुनावी रूप से महत्वपूर्ण सामाजिक संरचनाओं के बीच इस भगवा ज्वार को रोक सकता था। अधिक चिंता की बात यह है कि भारत को यह जांचने की आवश्यकता है कि क्या आम चुनावों के लिए उसके मुख्य चुनावी मुद्दों में से एक, जाति जनगणना, जिसका उद्देश्य वंचित सामाजिक समूहों के लिए है, राजनीतिक लाभ पैदा कर रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा की सिद्ध कथा में उनके दुर्जेय विरोधी हैं जो बहुसंख्यकवाद, चयनात्मक कल्याण और अंतर्राष्ट्रीय विजयवाद के दावों के संयोजन पर आधारित हैं। इसके अलावा, चुनावों की इस शृंखला के निराशाजनक नतीजे आधुनिक चुनावों के एक प्रमुख तत्व, धारणाओं के युद्ध में भी भारत को नुकसान में डाल देंगे। बेशक, गठबंधन के कुछ सहयोगियों द्वारा साझा किए गए अतीत के नाजुक राजनीतिक संबंध, एक ऐसा बिंदु है जिसे प्रधान मंत्री कभी भी उजागर करने में विफल नहीं होते हैं, समय पर युद्ध की रेखा खींचने में उनकी सुस्ती और उनके लगातार आरोपों के साथ। . मामले. संक्षेप में कहें तो बीजेपी ने न सिर्फ कांग्रेस बल्कि विपक्षी गठबंधन को भी मुश्किल में डाल दिया है.

-त्रिवेणी देवांगन-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अहसास

ये अनजान अजनबी से
कल हुआ मुझसे पहचान
सिलसिला था मुलाकात की
हुआ अब कुछ खास बात!
एक अनजान सा अहसास
कल एक अजनबी का साथ
शादी की ओ पहली बात
सोचा हकीकत या ख्वाब!
नशीली आंखें नागिन सी चाल
पूछा मै दिल की गहराई से
सावन सा बरसता प्यार
क्या कहूँ हकीकत या ख्वाब!
ख्यालो मे आता ओ दिन
सुबह शाम और रात
चन्दन सी महक थी जिंदगी
देखके उसकी मेंहदी वाली हाथ!
जुड़ने वाले थे सारे तार
अब टूट गये सारे बंधन
कास ओ समझ पाता
मेरे हर एक ओ बात!

लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी
गरियाबंद
(छत्तीसगढ़)

माँ

गिरती हूं तो,हाथ पकड़ कर
सम्हाल लेती हैं, मां ......
रोती हूं तो,अपने आंचल से
आंसू पोंछ लेती है,मां...
मुझे बनाने में सबसे ज्यादा
अंश हैं जिसका,
वो है मेरी मां ....।
दोस्त की कमी पूरी करती है, मां....
मेरी तरक्की देख इतराती है,मां...
रहती है परेशान
फिर भी मुस्कुराती है, मां....
बस तभी हौसला बन जाती है,
वो है मेरी मां....... ।
पापा के हर सवाल का
जवाब है,मां...
पापा के हर डांट पर
मरहम है , मां...
उदास हो जाऊ तो ,
मेरी मुस्कान है,
वो है मेरी मां...।
और क्या बोलू ,
इस दुनिया में सबसे
अनमोल है,मेरी मां ।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

प्रतिमा साहू आमाचानी
,मगरलोड
धमतरी
छत्तीसगढ़

गीत

प्रेम उम्र कब देखे मितवा,
यह तो बस मन से ही होता।
जो समझे पीड़ा प्रिय उर की,
वही अनूठा प्रेमी होता ।
कौन पूछता उम्र किसी की,
प्रेम यहाँ करने से पहले।
यह तो बिना प्रयोजन होता,
प्रियवर को वरने से पहले।।
सहचर साथी प्रियवर ही तो
मन की रिक्ति पूर्ण करता है।
जगता है मन प्रिय यादों में,
प्रिय की बाहों में ही सोता।
प्रेम उम्र कब देखे मितवा,
यह तो बस मन से ही होता।।
प्रेम पाश से कौन बचा है,
यह तो सबको घेरे रहता।
क्यों विस्मय होता है तुमको,
मन में जो यह मेरे रहता।।
जो बन जाता साया दुख में,
वही मित्र होता है सच्चा।
चुपके से चाहत के दाने,
वो प्रिय के अंतर में बोता।।
प्रेम उम्र कब देखे मितवा,
यह तो बस मन से ही होता।
लेकर छाता बरखा ऋतु में,
साथ-साथ वह साथी चलता।
खुद के बारे में कब सोचे,
वह प्रिय के ही लिए मचलता।।
यह दुनिया बस स्वार्थ साधती,
नहीं समझती पीड़ा मन की।
दोस्त उसी को सच्चा मानो,
जो प्रिय के घावों को धोता।
प्रेम उम्र कब देखे मितवा,
यह तो बस मन से ही होता।।
जाति -धर्म का भेद न माने,
प्रेम विलग इन सब बातों से।
मित्र सदा छाता बन जाता,
रखे सुरक्षित बरसातों से।।
प्रिय के साथ साथ चलता है,
बनकर के मन इक परछाई।
बने सुरक्षा कवच मीत का,
प्रिय के दुख को सुख से ढोता।
प्रेम उम्र कब देखे मितवा,
यह तो बस मन से ही होता।

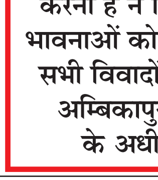

प्रीति चौधरी मनोरमा
जनपद
बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बेमौसम बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त,किसानों की बढ़ी चिंता

» सुबह से लेकर शाम तक रूक-रूक कर होती रही वर्षा

» पिछले तीन दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण ठंड भी बढ़ गई

» खेत खलिहानों में धान की फसल को भी हुआ नुकसान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

बेमौसम बारिश ने जिले के किसानों के मेहनत में पानी फेर दिया है। किसानों के खेतों में पानी भर जाने से परेशानियां बढ़ गई है। खेत खलिहानों में धान की फसल को भी नुकसान हुआ है। दलहन, तिलहन व सब्जी की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं पिछले तीन दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण ठंड भी बढ़ गई है। ठंड ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। लोगों को ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। सुबह से लेकर शाम तक रूक-रूक कर वर्षा होती रही। वर्षा के साथ चल रही हवा के असर से जिले में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। शहर का न्यूनतम व अधिकतम तापमान 17 डिग्री के करीब पहुंच गया है। मौसम खराब रहने के कारण सडक़ों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। सर्दी और वर्षा से बचने के लिए लोग घरों में ही रहे। स्कूल, कालेज और शासकीय कार्यालयों में भी उपस्थिति आम दिनों के मुकाबले कम हो रही है। लगातार हो रही वर्षा से खेतों में जल जमाव की स्थिति बनने लगी है। इससे धान और सब्जियों की फसल को लेकर किसानों की चिंता और बढ़ गई है। अभी धान की कटाई व मिसाल का काम अंतिम चरण में है। माने तो किसानों की साल भर की मेहनत उनके खेतों में ही पड़ी हुई है। खेत खलिहान में सहेजकर रखी फसल बारिश से भीगकर खराब होने का चिंता बढ़ गया है। बारिश के कारण किसानों को फसल की कटाई मिसाई से लेकर धान को सहेजकर रखने में परेशानी हो रही है, वहीं दूसरी ओर सब्जियों की फसल पर भी कीट का खतरा बढ़ जाएगा। मौसम वैज्ञानी एसके मंडल ने बताया कि मिचौंग अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ गया है। यह अब धीरे-धीरे पूर्ववर्ती क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। अगले 24 घंटे के अंदर मौसम के साफ होने का अनुमान है। शुक्रवार को भी मौसम इसी तरह बना रहेगा। इसके बाद धीरे-धीरे मौसम साफ होगा। मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल ने बताया कि चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण सरगुजा संभाग में मौसक सक्रिय है। तीन दिनों में अंबिकापुर में 25 मिमि वर्षा दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार मिचौंग का असर खत्म होते ही जिले में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। तापमान में गिरावट दर्ज किए जाएंगे। वहीं घने कोहरे भी छाए रहेंगे।

शहरी व्यवस्था सुधारने निकली निगम व राजस्व की टीम

अलग-अलग हिस्सों में कार्रवाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

शहरी क्षेत्र की व्यवस्था सुधारने के लिए नगर निगम की टीम द्वारा कार्रवाई की जा रही है। गुरुवार को राजस्व व नगरनिगम की संयुक्त टीम ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में कार्रवाई की है। शहरी व्यवस्था को सुदृढ एवं व्यवस्थित करने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त अभिषेक कुमार के साथ निगम व राजस्व विभाग की टीम उर्सुलाइन स्कूल के सामने शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण किये जाने की शिकायत पर मौके पर पहुंचे। राजस्व एवं नगर निगम की टीम द्वारा रजाई दुकान संचालक को अवैध कब्जा शाम तक हटाने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद मिशन चौक में सडक़ में हुए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। साथ ही सडक़ किनारे व्यवसायियों द्वारा लगाया गया बैनर-पोस्टर भी जब्त किया गया। मिशन चौक पर ही संचालित विशाल मेगा मार्ट के संचालक द्वारा सडक़ पर गाड़ी पार्क कराए जाने पर समझाइश दिया गया एवं पार्किंग में गाड़ी खड़ा करने आदेश दिया गया। कुछ ही दूर पर रिंग रोड में बालू-गिट्टी डंप किये जाने पर निर्माण करा रहे जवाहर नामक व्यक्ति को भी समझाइश दी गई। उक्त व्यक्ति ने स्वयं तुरन्त सडक़ पर गिरे बालू-गिट्टी को हटाने का कार्य शुरू कर दिया। इसी क्रम में मरीन ड्राइव स्थित मटन मार्केट के अंदर रखे अवैध रूप से स्थाई गुमटी को जब्त करने की कार्रवाई की गई। साथ ही मटन मार्केट के पास सडक़ में लगे सब्जी दुकान को भी हटाया गया है, जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न न हो।

वजन त्योहार में पाए गए 14.81 प्रतिशत बच्चे कुपोषण की श्रेणी में

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग के सभाकक्ष में बुधवार को जिले के समस्त परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षको की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी जेआर प्रधान, जिला महिला बाल विकास अधिकारी शुभम बंसल, एनएचएम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक पुषपेंन्द्र राम, युनिसेफ जिला समन्वयक ममता चैहान सहित समस्त परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थ्ति थे।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रधान द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा प्रतिदिन पोषण ट्रेकर एप में आंगनबाड़ी केन्द्र खुलने, हितग्राहियों की उपस्थिति, बच्चों के वजन एंट्री की समीक्षा की गई है। बैठक में बताया गया कि पोषण ट्रेकर एप में माह नवम्बर 2023 में जिले में संचालित कुल 2470 आगनबाड़ी केन्द्र में 5 वर्ष के कुल 87,987 बच्चों के वजन की एंट्री की गई। वजन अनुसार कुल 12.41 प्रतिशत बच्चे कुपोषण की श्रेणी में पाए गये। वजन त्योहार माह सितंबर 2023 में कुल 14.81 प्रतिशत बच्चे कुपोषण की श्रेणी में पाए गए थे, इस प्रकार 2 माह में कुल 2.4 प्रतिशत कुपोषण में कमी दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत राज्य में 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक विशेष अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों के प्रथम संतान व द्वितिय बालिका संतान के शत-प्रतिशत फार्म भरकर साफ्टवेयर में दर्ज किया जाना है, योजनांतर्गत पात्र हितग्राहियों की कुल 298 फार्म का एंट्री की गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी योजना में प्रगति लाते हुए पात्र सर्वेक्षित शत-प्रतिशत हितग्राहियों का फार्म भरकर योजना का लाभ दिलाने कहा गया। इसके साथ ही समस्त संचालित योजनाओं में शत् प्रतिशत प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया गया।

स्कूल में शिक्षकों की उपस्थिति,बेहतर पढ़ाई... साफ सफाई...बच्चों को मिले शैक्षणिक सुविधाएं...

कलेक्टर ने किया डीईओ कार्यालय का निरीक्षण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

नई सरकार आते ही जिला प्रशासन काफी सख्त दिख रही है। गुरुवार को कलेक्टर कुंनद कुमार ने प्राथमिक शाला बौरीपारा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्वयं शिक्षकों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया। उन्होंने शिक्षकों को सख्त निर्देश दिए कि सभी शिक्षक समय पर स्कूल में उपस्थित रहें और बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने इस दौरान शिक्षकों से बच्चों की पढ़ाई और स्कूल संचालन पर भी बात की।

कलेक्टर ने स्कूल निरीक्षण के दौरान कक्षा और स्कूल परिसर में विशेष रूप से साफ सफाई रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों के लिए तैयार मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। उन्होंने कहा कि मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता को बनाए रखें। इसमें किसी तरह की लापरवाही ना हो, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर कुन्दन स्वयं स्कूलों का निरीक्षण करते हुए छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक सुविधा, मध्यान्ह भोजन और स्कूली व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर के निर्देश पर सभी जिला अधिकारी, एसडीएम और तहसीलदार भी स्कूलों के निरीक्षण पर पहुंचे। स्कूलों में औचक निरीक्षण किया जा रहा है। जिसमें स्कूलों में शिक्षकों और बच्चों की उपस्थिति का निरीक्षण, उपस्थिति पंजी, मध्यान्ह भोजन, स्कूलों में साफ सफाई, आवश्यक अधोसंरचना का निरीक्षण शामिल है। गत बुधवार को भी कलेक्टर द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने सभी शाखाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय के सभी कर्मचारियों को दस्तावेजों के व्यवस्थित संधारण के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न कार्यालयीन पंजियों को भी अद्यतन रखने के निर्देश दिए।

जुआ खेलते 14 जआरी सपड़ाए 47.7 हजार रुपए हुआ जब्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

मणिपुर पुलिस ने 14 जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने जुआ फड़ से कुल 42 हजार 7 सौ रुपए जब्त किए गए हैं। पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार 7 दिसंबर को मणिपुर पुलिस पेट्रोलिंग में निकली थी। मुखिबिर से जानकारी मिली की भाथुपारा निवासी अनिल दास के घर में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। पुलिस ने छापेमारी कर जुआ खेल रे 14 जुआरियों को हिरासत में लिया। पुलिस ने जुआ फड़ से कुल 42 हजार 7 सौ रुपए जब्त किए है। पुलिस ने जुआरी अनिल दास निवासी भाथूपारा, सत्येंद्र लकड़ा निवासी बिलासपुर चौक, बृजेश साहू निवासी मणीपुर, सुनील शिवहरे निवासी लक्ष्मीपुर, भोला निवासी मठपारा, सुनील साहू निवासी दर्रीपारा, रामप्रकाश निवासी भाथूपारा, संतोष गुप्ता निवासी लक्ष्मीपुर, रवि मिंज निवासी भाथूपारा, शिवम् साहू निवासी दर्रीपारा, रुपेश साहू निवासी मणीपुर, विनय कुमार साहू निवासी मणीपुर, सुधीर कुमार निवासी मणीपुर व विजय तिर्की निवासी लक्ष्मीपुर को हिरासत में लेकर इनके खिलाफर वैधानिक कार्रवाई की है।

मरीज व परिजन के भावनाओं को समझते हुए करें उनके बेहतर स्वास्थ्य का देखभाल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ के उनकी उन्मुखीकरण व क्षमता का विकास हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्पीकर रूपा रावत सिंघवी द्वारा प्रति दिन अपने कार्यों को कैसे बेहतर तरीके से निभाएं इसकी जानकारी दी गई। साथ ही मरीज व परिजनों से सामान्य बात व व्यव्हार कैसे करें इसकी जानकारी दी गई। इस बीच में स्पीकर ने नर्सिंग स्टाफ के विचार और अनुभव भी जाना ताकि उन्हें उनके कार्य करने की क्षमता को बढ़ाया जा सके। इस दौरान इस कार्यशाला में अस्पताल अधीक्षक डॉ.आरसी आर्या ने संबोधित करते हुए सभी कर्मचारियों को इस प्रशिक्षण में बताए गए बातों को अपने व्यव्हार में लाए और मरीज व परिजन के साथ उनके तकलीफ़ और भावनाओं को समझते हुए उनका बेहतर स्वास्थ्य का देखभाल करें। इस दौरान अस्पताल उप अस्पताल अधीक्षक डॉ. बीआर सिंह, सहायक अस्पताल अधीक्षक डॉ जीके दामले, डॉ संतु बाघ, संगवारी संस्था से डॉ. योगेश्वर, अस्पताल सलाहकार स्वस्ति शुक्ला ,सहायक नर्सिंग अधीक्षिका रश्मि मसीह व दूरपति राज, सहित अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

जांच में अनुपस्थित पाए जाने पर प्राचार्य सहित व्याख्याताओं का रोका गया वेतन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

संकुल स्रोत समन्वयक के निरीक्षण में अनुपस्थित पाए जाने के कारण जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा हाई स्कूल पोडीकला अम्बिकापुर के प्रभारी प्राचार्य सहित पदस्थ समस्त व्याख्याताओं का वेतन अवरूद्ध कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. संजय गुहे ने बताया कि 6 दिसंबर की दोपहर 12.25 बजे संकुल स्रोत समन्वयक द्वारा हाई स्कूल पोड़ीकला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मृत्य को छोड़कर अन्य समस्त पदस्थ शिक्षक अनुपस्थित पाए गए।

मिनी ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 07 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग पर स्थित भिट्ठी कला मोड़ के पास बाइक व मिनी ट्रक के बीच भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए। तीनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार मेन्ड्राकला निवासी सूरज पिता मुनेश्वर उम्र 20 वर्ष, सुनीनल प्रजापति पिता भिखरी प्रजापति उम्र 40 वर्ष व इविन तिर्की पिता विश्वनाथ तिर्की उम्र 23 वर्ष निवासी बतौली सभी गुरुवार की शाम को एक बाइक में सवार होकर अंबिकापुर बिलासपुर चौक की ओर आ रहे थे। बिलासपुर चौक से मेड्राकला की ओर जा रहे मिनी ट्रक से भिट्ठी चौक के पास भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में बाइक सवार तीनों व्यक्ति घायल हो गए। सूचना पर पहुंची मणिपुर पुलिस ने तीनों घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया है। घायलों में एक की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

बगीचा रोड में बेतरतीब खड़ी रहती हैं वाहनें,दुर्घटना का रहता है हमेशा डर

- संवाददाता -
बतौली,07 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

बतौली के बगीचा चौक के आस-पास बेतरतीब ढंग से खड़ी वाहनों से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बगीचा की तरफ से आने वाली वाहनों की गति अधिक होने से हर समय यहां भीषण दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

बगीचा जशपुर को राष्ट्रीय राज्यमार्ग 43 को जोड़ने वाली राज्य कॉरिडोर क्रमांक 4 में आने वाली वाहन उड़ीसा, बंगाल और झारखंड से आती हैं। बगीचा चराई डांड कॉरिडोर क्रमांक 4 में चलने वाली वाहनो की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही हैं। बाहर से आने वाली इन वाहनो की संख्या तकरीबन एक हजार से ज्यादा हो चुकी है। राष्ट्रीय राज्य मार्ग 43 से सीधे आकर जुड़ने वाली इस कॉरिडोर में वाहनों की गति तीव्र होती है और सीधे एनएच 43 से मिलती हैं। बगीचा चौक में सवारी लेकर चलने वाली बसें सवारी उतारने चढ़ाने के लिए बस स्टैंड में ना घुसकर रोड में ही अपनी बसे खड़ी करते हैं। साथ ही यहां मोटरसाइकिल, ऑटो, निजी कार भी बेतरतीब ढंग से खड़ी रहती हैं जिससे आये दिन जाम लगा रहता है। जाम लगने से आये दिन यहां आवागमन अवरुद्ध होता है। बाहर से आने वाली वाहन काफी तीव्र गति से चलती हैं जिससे दुर्घटना की आशंका हर समय बनी रहती है।

स्टैंड ड्यूटी पर पुलिस पर जाम से मुक्ति नहीं

बस स्टैंड में प्रतिदिन दो पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगी रहती है, परन्तु जाम से मुक्ति के लिए ये कोई काम नही करते।सभी सवारी वाहन अपनी बसें बस स्टैंड में खड़ी करें तो आये दिन लगने वाली जाम से निजात मिल सकती है। परन्तु अभी तक ऐसा प्रयास नही किया गया है। अंबिकापुर और सीतापुर से आने वाली सवारी बसें सड़क में ही बस खड़ी कर सवारी उतारते और बैठाते हैं। बेतरतीब ढंग से निजी वाहन चालक सड़क में ही अपनी वाहन खड़ी कर अपने काम करते हैं। यही माहौल मोटरसाइकिल चालकों का भी है। जिसे जहां जगह मिलती है, वहाँ अपनी बाइक खड़ी कर देते हैं। जिससे आये दिन जाम लगा रहता है।

न्यायालय नज़ूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मदनलाल गोयल आ0 स्व0 दिलीपचंद गोयल निवासी गेहूँ बाड़ी जिला अस्पताल रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला भट्ठापारा नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर शीट क्रमांक 11 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4531/10 कुल रकबा 5 1/2 डिसमिल भूमि एवं निर्मित मकान को रूपये 30,00,000.00 में अनावेदक सुधीर कुमार यादव आ0 अमरनाथ सिंह यादव निवासी कबीर वार्ड नम्बर-44 अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापति प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 22/12/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/12/2023 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

शी जिनपिंग 12-13 दिसंबर को करेंगे हनोई का दौरा, वियतनाम-अमेरिका के बीच नजदीकियों को लेकर बैचेनी!

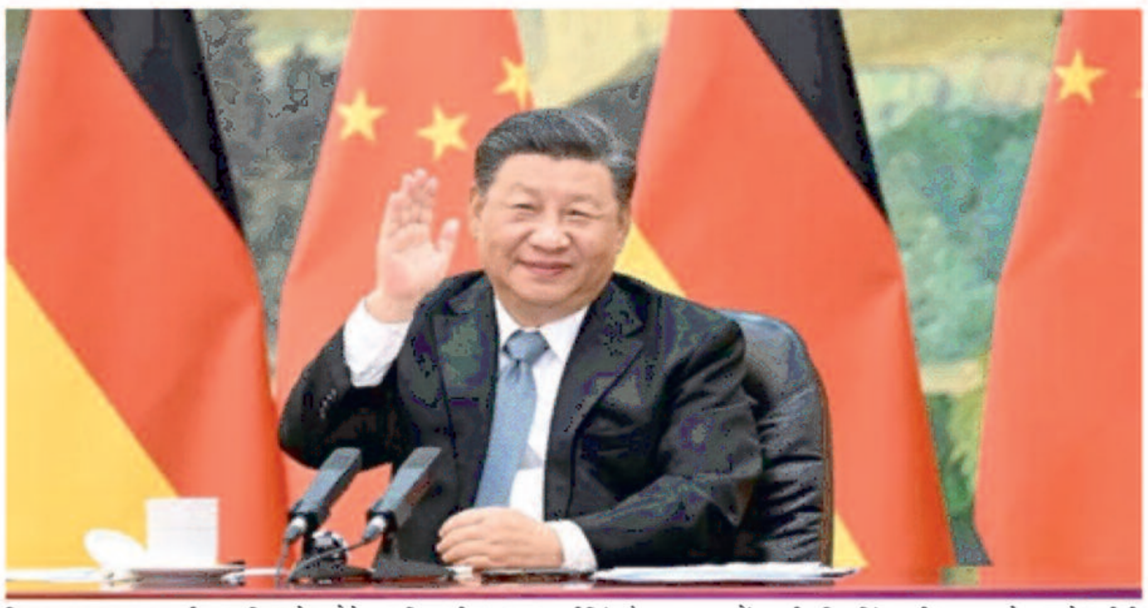

बीजिंग,07 दिसम्बर 2023।

द्विपक्षीय संबंध को प्रगाढ़ करने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग वियतनाम का दौरा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की हनोई के यात्रा के बाद से ही अमेरिका-वियतनाम के संबंधों में मजबूती आई है। जिसके बाद से ही चीन खासा बैचेन दिखाई दे रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए, अगले सप्ताह राष्ट्रपति शी जिनपिंग जल्द ही वियतनाम के दौरे पर होंगे।

बता दें छह साल में शी जिनपिंग की यह पहली यात्रा है। हनोई और बीजिंग के बीच दक्षिण चीन सागर पर खटास के चलते अमेरिका के साथ वियतनाम का नजदीकियां बढ़ी हैं। इसी बीच, चीनी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा करते हुए कहा कि 12 और 13 दिसंबर को राष्ट्रपति हनोई का दौरा करेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग और वियतनामी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव समेत देश के अन्य नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने पर भी चर्चा की जाएगी। बता दें शी जिनपिंग चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव भी हैं।

वांग ने कहा कि राजनीति, सुरक्षा, व्यावहारिक सहयोग, सार्वजनिक समर्थन, बहुपक्षीय मामले, समुद्री मुद्दे पर गहन चिन्तन किया जाएगा। एक साथी कम्युनिस्ट देश होने के बावजूद वियतनाम को चीन में एक सख्त पड़ोसी के रूप में देखा जाता है क्योंकि इसने 1979 में चीन के साथ सीमा युद्ध लड़ा था। जिसमें भारी क्षति हुई थी और चीन से विदेशी निवेश आकर्षित करने के अलावा विवादित दक्षिण चीन सागर पर बीजिंग के व्यापक दावों का विरोध करने में दृढ़ रहा था।

बता दें वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया, ब्रूनेई और ताइवान के साथ दक्षिण चीन सागर पर प्रतिदावा करता है, जिनमें से अधिकांश पर चीन अपना दावा करता है। शी जिनपिंग की यात्रा से पहले चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने इस महीने की शुरुआत में वियतनाम का दौरा किया था। जिसके दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच व्यापार कनेक्टिविटी बढ़ाने और रेलवे लिंक के उन्नयन का प्रस्ताव रखा था।

गाजा युद्ध में भारतीय मूल के इस्राइली सैनिक की मौत,एक महीने पहले हुई थी सगाई

यरूशलम,07 दिसम्बर 2023। गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान एक 34 वर्षीय भारतीय मूल के इस्राइली सैनिक की मौत हो गई। अशडोड के मास्टर सर्जेंट गिल डेनियल्स की मौत मंगलवार को गाजा में हुई। बुधवार को उसके गृहनगर के सैन्य कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार किया गया। इस्राइली सुरक्षा बल ने बताया कि गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान मरने वाले दो सैनिकों में गिल भी शामिल हैं।

इंडियन ज्यूइश हेरिटेज सेंटर ने कहा, इस युद्ध में इस्राइल ने अपने कई सैनिकों को खो दिए। पूरे इस्राइल की रक्षा के लिए बेटे-बेटियों ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया। हम अपने एक और सैनिक की मृत्यु पर शोक जता रहे हैं। युद्ध के शुरू होने के बाद 10 अक्तूबर को गिल रिजर्व में चले गए थे। भागवान उनकी आत्मा को शांति दे। एक महीने पहले हुई थी सगाई

गिल डैनियल्स के मित्र ने बताया कि एक महीने पहले ही उनकी (गिल) सगाई हुई थी। उन्होंने गिल की मौत को एक बड़ा नुकसान बताया है। गाजा में जमीनी ऑपरेशन शुरू करने के बाद से अबतक करीबन 86 इस्राइली सैनिकों की मौत हो चुकी है। सात अक्तूबर को इस्राइल में हुए हमले के बाद से अबतक चार भारतीय मूल के सैनिक मारे जा चुके हैं।

हाईकोर्ट ने ISI प्रमुख से मांगी रिपोर्ट; बुशरा बीबी और उनके वकील के बीच कॉल के ऑडियो लीक का मामला

इस्लामाबाद, 07 दिसम्बर 2023 । पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की मुसीबतें कम नहीं हो रही हैं। अब पाकिस्तान की इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी और उनके वकील लतीफ खोसा के बीच कथित तौर पर लीक हुए ऑडियो पर रिपोर्ट मांगी है। इस संबंध में हाईकोर्ट ने आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को इस बारे में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने एफआईए, पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी (पेमरा) और पाकिस्तान टेलीकम्युनिकेशन अथॉरिटी (पीटीए) को भी नोटिस जारी कर मामले पर उनका जवाब मांगा है।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति बाबर सत्तार ने यह आदेश वकील लतीफ खोसा द्वारा उनके और उनके मुवक्किल के बीच लीक हुए ऑडियो के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई के दौरान यह आदेश जारी किया।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अदालत ने संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) से इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी और उनके वकील के बीच लीक हुई कॉल की ऑडियो फोरेंसिक जांच करने के लिए भी कहा है। जिससे इसके बारे में हर तथ्य पता लग सके। इसके साथ ही न्यायमूर्ति सत्तार ने याचिका की एक प्रति इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल को भेजने का भी निर्देश दिया। फिलहाल कोर्ट ने मामले की सुनवाई 11 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी है।

सुनक की बढ़ी मुश्किलें,रवांडा निर्वासन नीति पर सत्तारूढ़ दल में दो-फाड़,आव्रजन मंत्री का इस्तीफा

लंदन, 07 दिसम्बर 2023 । रवांडा में अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने की उन की सरकार की विवादास्पद नीति को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी को आलोचना का सामना झेलना पड़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर ऋषि सुनक की पार्टी दो भागों में बंटती नजर आ रही है। जहां एक तरफ बर्खास्त गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन कानूनी चुनौतियों से निपटने के लिए एक अतिवादी एजेंडे का आह्वान कर रही है और दूसरा गुट मध्यमार्गी दृष्टिकोण की बात कर रहा है।

यह टकराव बुधवार को उस वक्त चरम पर पहुंच गया, जब सुनक के सहयोगी मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने आव्रजन मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। साथ ही बयान दिया कि सुप्रीम कोर्ट के अवरोध को खत्म करने के लिए बनाया गया नया रवांडा सुरक्षा विधेयक बहुत आगे तक नहीं चल पाएगा। अपने त्याग पत्र में उन्होंने लिखा कि जब आव्रजन पर सरकारी की नीति की दिशा से मेरी इतनी गहरी असहमति है, तो मैं अपने पद पर कैसे बने रह सकता हूं। साथ ही अवैध प्रवासियों द्वारा इंग्लिश चैनल के जरिए देश में घुसने के मामले पर जोर देते हुए जेनरिक ने कहा कि इसके खिलाफ अधिक सख्ती से निपटने की जरूरत है। वहीं सुनक ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा अब तक पेश किए गए अवैध प्रवासन कानून का यह सबसे कठोर हिस्सा होगा। पूर्व कैबिनेट सहयोगी का विरोध गलतफहमी पर आधारित था।

साथ ही उन्होंने दावा किया कि अगर हम अदालतों को पूरी तरह से हटा दें, तो हम पूरी योजना को ध्वस्त कर देंगे। रवांडा सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस योजना को अंतरराष्ट्रीय कानून दायित्वों का उल्लंघन मान सकता है। ऐसे कानून को पारित करने का कोई मतलब नहीं हैं।वहीं सुएला ब्रेवरमैन ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से नीति बदलने का आग्रह करती हूं। मुझे विश्वास है कि अंततः यह विधेयक विफल हो जाएगा।

अल अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में फिर से सुनवाई, नवाज शरीफ की याचिका पर कोर्ट ने कही यह बात

इस्लामाबाद, 07 दिसम्बर 2023 । अल अजीजिया स्टील मिल भ्रष्टाचार मामले में सजा के खिलाफ पीएमएल-एन के प्रमुख नवाज शरीफ ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की। गुरुवार को हाईकोर्ट ने उनकी याचिका पर फिर से सुनवाई शुरु की गई है। बता दें नवाज शरीफ को भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने दिसंबर 2018 में सात साल की जेल की सजा सुनाई थी और उन पर भारी जुर्माना लगाया था।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन की एक खंडपीठ ने मामले पर सुनवाई की। बता दें इसी पीठ ने 29 नवंबर को एवेनफील्ड मामले में नवाज शरीफ को बरी किया था।

अल अजीजिया स्टील मिल भ्रष्टाचार मामले में नवाज शरीफ जेल की सजा काट रहे थे, अक्तूबर 2019 में इलाज के नाम पर लंदन गए, जिसके बाद वे वहां से वापस नहीं लौंटे थे। जिसके बाद इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने उन्हें मामले में अपराधी घोषित कर दिया था। हालांकि पिछले माह ही तकरीबन चार साल बाद फिर से वह देश लौट आएं हैं।

राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो के मुताबिक, मिल की स्थापना उनके शासन काल के दौरान जमा किए गए भ्रष्टाचार के पैसे का उपयोग करने के लिए की गई थी। हालांकि नवाज शरीफ द्वारा इन आरोपों को खारिज किया गया है। सुनवाई के दौरान यह भी कहा गया कि कतर के शाही परिवार ने मिल में निवेश किया था जबकि शरीफ के पिता मुहम्मद शरीफ ने अपने हिस्से के रूप में पांच मिलियन अमेरिकी डॉलर दिए थे। हालांकि बचाव पक्ष मिल की स्थापना में इस्तेमाल किए गए पैसों का सबूत देने में विफल रहे थे। शरीफ को एवेनफील्ड भ्रष्टाचार मामले में पहले ही बरी कर दिया गया है, जिसमें उन्हें जुलाई 2018 में दोषी ठहराया गया था और दस साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

पुलिस अधीक्षक का थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश,अवैध कार्यों पर लगाए शत-प्रतिशत अंकुश

जनता की शिकायत पर फौरन एक्शन लेते हुए कार्यवाही करने का दिया निर्देश

- संवाददाता -
सूरजपुर, 07 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

बुधवार, 06 दिसम्बर को पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलिसेला ने कार्यालय के सभाकक्ष में क्राईम मीटिंग आयोजित कर अवैध कार्यों पर शत-प्रतिशत अंकुश लगाने थाना-चौकी प्रभारियों को कड़े निर्देश दिए है। उन्होंने लंबित समस्त अपराधों, शिकायतों की बारीकी से समीक्षा करते हुए सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण जांच करने, किसी भी शिकायत को अनावश्यक लंबित न रखने, आमजनता के समस्या-शिकायतों पर क्वीक एक्शन लेने के निर्देश दिए है।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि थाना-चौकी प्रभारी अपने क्षेत्र में एक्टिव रहकर पूरी ऊर्जा से कार्य करें, पुलिस के पास आने वाला कोई भी फरियादी निराश होकर न जाए, पीड़ित की समस्या को शालीनतापूर्वक सुने और संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए, उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि पुलिस की कार्यवाही निष्पक्ष होगी तभी पीड़ित को न्याय मिलेगा, क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग कर आमजनता के भरोसे को और बढ़ाए, फरार आरोपियों की पतासाजी गंभीरतापूर्वक कर गिरफ्तारी सुनिश्चित की किए जाए तथा शराब पीकर वाहन चलाने और गाड़ी चलाने के दौरान फोन में बात करने एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर एक्सीडेंट करने वाले चालकों के ड्राईविंग लायसेंस निलंबित कराने की कार्यवाही की जाए।

पुलिस अधीक्षक ने प्रभारियों को कहा कि वर्ष 2023 समाप्ति की ओर है लंबित मामलों को शून्य करने को लेकर बारीकी से जांच कर निकाल करें किन्तु निराकरण में पूर्ण सावधानी बरती जाए, आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस राजपत्रित अधिकारी व थाना प्रभारी को शहर-गांव में पेट्रोलिंग करने तथा पुलिसिंग में लापरवाही नहीं बरतने के सख्त निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, डीएसपी नंदिनी ठाकुर, महालक्ष्मी कुलदीप, सिरिल एक्का, रितेश चौधरी, प्रशिक्षु डीएसपी स्निग्धा सलामे, सभी थाना-चौकी प्रभारीगण मौजूद रहे।

सब्जी वर्गीय फसलों को झुलसा रोग से बचाने फफूंदनाशी का छिड़काव है आवश्यक

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,07 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)। उद्यानिकी विभाग के उपसंचालक ने बताया कि बेमौसम बारिश एवं बादलयुक्त मौसम को दृष्टिगत रखते हुए सब्जी वर्गीय फसल विशेषकर आलू की फसलों में झुलसा रोग होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि फसल में रोग से बचाव हेतु कृषकों को सलाह देते हुए बताया कि कृषक अपने फसलों पर फफूंदनाशी जैसे डायथेन-एम 45, कार्बोनडाजाईम इत्यादि का 02 ग्राम प्रति लिटर की दर से झिड़काव करें। अधिक जानकारी के लिए विकासखण्ड में स्थित शासकीय रोपणीयों में पदस्थ उद्यानिकी अधिकारी एवं कर्मचारियों से संम्पर्क किया जा सकता है।

विधायक राजेश अग्रवाल से नगर पंचायत प्लेसमेंट कर्मचारियों ने की मुलाकात

जीत की बधाई देते हुए नियमितिकरण को लेकर की चर्चा

- संवाददाता -
लखनपुर, 07 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ अंबिकापुर के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक राजेश अग्रवाल के लखनपुर निवास में मुलाकात करने लखनपुर नगर पंचायत प्लेसमेंट कर्मचारी संघ के पदाधिकारी व सदस्य पहुंचे जहां उन्होंने भाजपा विधायक राजेश अग्रवाल को फूल माला पहनाकर जीत की बधाई दी। साथ ही प्लेसमेंट कर्मचारी संघ के पदाधिकारी द्वारा प्लेसमेंट कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर भाजपा विधायक राजेश अग्रवाल से चर्चा की। नवनिर्वाचित भाजपा विधायक राजेश अग्रवाल ने प्लेसमेंट कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर पहल करने की बात कही है। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, प्लेसमेंट कर्मचारियों के संग निकाय अध्यक्ष सुशील भारती उपाध्यक्ष देव विष्णु साहू कोषाध्यक्ष वीनेश राम खलखो एवं अन्य सदस्य ग्रहण उपस्थित रहे।

गरीबों का राशन आखिर कहां गया,महिला सरपंच का आरोप कम भेजा जाता है पीडीएस में चावल

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,07 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में राशन ना मिलने की खबर लगातार मिलती रहती है जहाँ अधिकारियो द्वारा कार्यवाही के नाम पर केवल खाना पूर्ति की जाती है।ऐसा हीं मामला ग्राम पंचायत बरढोढ़ी का है जहाँ गरीबों को मिलने वाला चावल नहीं मिलने से परेशान हितग्राहियों ने पीडीएस दुकान के सामने हंगामा शुरु कर दिया...जिसके बाद सहायक खाद्य अधिकारी मौके पर पहुँच राशन की अनियमितता का जाँच करते नजर आये...इधर हितग्राहियों का करना है कि विगत तीन महीनों से चावल सभी हितग्राहियो को नहीं दिया जा रहा है जिसकी वजह से

मजबूरन अधिक रुपयों में राशन खरीदने को मजबूर हो रहे हैं वही ग्राम पंचायत के सरपंच का कहना है कि चावल हमेशा से कम भेजा जा रहा है जिसकी वजह से हितग्राहियों को चावल की पूर्ति करने में समस्या हो रही है... सरपंच का यह भी आरोप है की सहायक खाद्य अधिकारियो रोशन गुप्ता राशन की कमी को किसी तरह मैनेज करके पूर्ति करेंगे यह हम नहीं कह रहे शासकीय उचित मूल्य दुकान की संचालिका और सरपंच द्वारा कही जा रही है.. अब आप स्वंम अंदाजा लगा सकते है की आखिरकार गरीबों के हित में आने वाली चावल आखिर कहा गायब हो जा रहा है...फिलहाल जांच में पीडीएस दुकान संचालक को ही दोषी पाया गया है...जांच अधिकारी जांच कर उच्च अधिकारियों को जांच रिपोर्ट भेजनें की तैयारी में है।

CMYK

क्या कलेक्टर नरेंद्र दुग्गा जहां-जहां चुनाव संपन्न कराएंगे वहां वहां सरकार बदल जाएगी?

कोरिया कलेक्टर रहते नरेंद्र दुग्गा 2018 चुनाव संपन्न कराया तीनों सीटों पर हार मिली, एमसीबी कलेक्टर रहते 2023 में चुनाव संपन्न कराया दोनों विधानसभा में हार मिली यह संयोग है या फिर दुर्भाग्य ?

दो बार दो अलग-अलग जिलों में चुनाव संपन्न कराया और सुपड़ा साफ हो गया विधानसभा में सत्ता पक्ष का

2018 में भाजपा का सुपड़ा साफ और 2023 में कांग्रेस का सुपड़ा साफ... संयोग है या फिर दुर्भाग्य ?

नरेंद्र दुग्गा के कार्यकाल में एक बार भाजपा निपटी अबकी बार कांग्रेस निपटा

क्या पिछले बार तीन सीटों को निपटाने का मौका मिला था इस बार दो विधानसभा को निपटाने में निभाई भूमिका या फिर इनका था यह दुर्भाग्य ?

महतारी वंदन योजना निकला तुरुप का एक्का

कांग्रेस अपनी समीक्षाओं में भले ही ईवीएम को दोष देती रहे नए-नए तथ्य सामने रखती रहे लेकिन प्रदेश में जो हवा चुनाव पूर्व बहती देखी जा रही थी वह सत्ता विरोधी ही थी यह कहना गलत नहीं होगा वहीं इसी बीच भाजपा ने भी अपनी घोषणा पत्र का पिटारा खोला और महतारी वंदन योजना का एक ऐसा तुरुप का एक्का सामने लाकर रख दिया जिसका काट कांग्रेस निकालने में जुटी जरूर लेकिन वह काट मुख्यमंत्री के बयानों के अलावा कहीं सुनने देखने को नहीं मिला इधर भाजपा की तैयारी ऐसी थी की उसके कार्यकर्ता कांग्रेस के काट ढूढने से पहले महतारी वंदन योजना का फॉर्म लेकर घर घर दस्तक दे चुके थे और लगभग एक माहौल इसका वह बना चुके थे। सत्ताधारी दल कांग्रेस को माना जाता है की प्रथम चरण की 20 सीटों पर हुए मतदान जो 7 नवंबर को हुआ था उसी समय यह आभास हो गया था की बस्तर सहित 20 सीटों पर महतारी वंदन योजना भाजपा की घोषणा का असर हुआ है और लगभग 20 सीटों पर कांग्रेस का प्रदर्शन खराब है और इसलिए दीपावली के दिन मुख्यमंत्री ने 15 हजार प्रति महिला देने की एक नई घोषणा की जो उनके 20 सीटों पर आए नुकसान वाले अनुमान के बाद का निर्णय था। खैर हवा इस बार अपनी तरफ भाजपा ने कैसे मोड़ लिया यह सत्ता धारी दल समझ पाने में नाकाम रही बुरी तरह उसे हार का सामना करना पड़ा गुटबाजी भी इसका प्रमुख कारण रही जो कांग्रेस में आम हो चली परंपरा बन गई है और यह भी एक कारण था की कांग्रेस सत्ता से बेदखल हो गई। खैर अब सत्ताधारी दल में हार की समीक्षा का दौर चालू है और वह अभी सतत जारी रहने वाली है। वैसे सत्ताधारी दल के मंत्री विधायकों का परफॉर्मेंस और उसके बाद भाजपा का महतारी वंदन योजना दो प्रमुख कारण इस चुनाव में कांग्रेस के लिए सत्ता से दुर जाने का कारण बना जो आज जन चर्चा का विषय भी है। नवीन जिले की बात की जाए वहां की दो विधानसभाओं की बात की जाए तो वहां एक विधानसभा से वर्तमान विधायक का टिकट काटना भी कहीं न कहीं सत्ताधारी दल के लिए हार का कारण बना।

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर/एमसीबी,07 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ का विधानसभा चुनाव संपन्न हो गया है पर इस चुनाव संपन्न होने के बाद एक ऐसा ससंयोग सामने आया है जो सबको आश्चर्यचकित कर देने वाला है, इसे संयोग कहें या फिर पनौती यह तो समझने वाले के ऊपर है, यदि हम बात करें कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा की तो उनके कार्यकाल में विभाजित कोरिया जिले के कलेक्टर रहते हुए चुनाव 2018 में संपन्न हुआ था उसे समय भाजपा की सरकार थी पर तीनों के तीनों सीट पर बीजेपी का सुपड़ा साफ हो गया था, फिर 2021 में कोरिया का विभाजन के बाद एमसीबी नवीन जिला बना और 2023 में इस नवीन जिले के दूसरे कलेक्टर के रूप में नरेंद्र कुमार दुग्गा की पदस्थापना हुई जिनके कार्यकाल में 2023 का विधानसभा चुनाव संपन्न हुआ, इस नवीन जिले में भी सत्ता पक्ष के विधायक थे और उन्हें हारना पड़ा ऐसे में चर्चा का विषय यह है कि दो बार कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा को चुनाव संपन्न करने का मौका मिला पर दुर्भग्य है की जहां-जहां यह रहे वह पर सत्ता पक्ष के विधायक को हार का सामना करना पड़ा, कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा के साथ एक खराब चीज जुड़ गई है जो आगे का कार्यकाल को नुकसान भी पहुंच सकती है।

ज्ञात होकी छत्तीसगढ़ में इस बार के विधानसभा चुनावों में फिर बड़ा उलट फेर देखने को मिला जो वैसा ही देखने को मिला जैसा वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद देखने को मिला था सत्ताधारी दल प्रदेश में फिर सत्ता से बेदखल हो गई वहीं इस बार भाजपा को प्रदेश की जनता ने प्रदेश की सत्ता की कमान सौंप दी। इस बार के विधानसभा चुनाव में सरगुजा संभाग का भी परिणाम बिल्कुल पूर्व के विधानसभा चुनावों जैसा रहा जहां पूरे संभाग में

सत्ताधारी दल को एक भी सीट मिल पाने में कठिनाई हुई और शून्य सीटों के साथ सत्ताधारी दल संभाग से भी निपट गई और सत्ता से भी दूर हो गई। सबसे चौकाने वाले परिणाम अविभाजित कोरिया जिले की तीन विधानसभा कहें या विभाजित कोरिया जिले की तीन विधानसभा कहें यहां का देखने को मिला जहां सत्ताधारी दल कोरिया जिले का विभाजन कर यह मानकर चल रही थी की उसे कम से कम दो विधानसभा में तो जीत मिल ही जायेगी जिन दो विधानसभाओं को लेकर कांग्रेस ने नए जिले की घोषणा की थी लेकिन ऐसा नहीं हो सका कोरिया एमसीबी जिले की तीनो विधानसभाओं में भाजपा ने परचम लहराया और तीनों सीटों से कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। नवीन जिले के गठन का जो फायदा सत्ताधारी दल उठाना चाहती थी वह उठा नहीं सकी और इसके पीछे की वजह जो मानी जा रही है वह यह की कांग्रेस को पंद्रह साल बाद सत्ता बड़े बहुमत के साथ मिली जरूर लेकिन उसे बरकरार रख पाने में सत्ताधारी दल के मंत्री विधायक और जिम्मेदार पदाधिकारी ही सक्षम साबित नहीं हो सके और उनका जमकर क्षेत्र में विरोध दर्ज हुआ और बड़ी पराजय के रूप में कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई।

कलेक्टर ने दो बार चुनाव संपन कराया और दोनों बार सत्ता के विधायक को मिली हार

एमसीबी जिले की बात करें तो यहां की दो विधानसभाओं में कांग्रेस हार का मुंह देखेगी ऐसा उसने नहीं सोचा था उसे नए जिले की घोषणा के बाद उम्मीद थी की वह यह दो विधानसभा किसी भी चेहरे पर जरूर जीत ले जायेगी लेकिन ऐसा भी नहीं हुआ वैसे इस बार एमसीबी जिले में पूरे निर्वाचन कार्य की जिला स्तरीय जिम्मेदारी प्रशासनिक तौर पर जो अधिकारी देख रहे थे वह वही हैं जो पिछले विधानसभा चुनाव वर्ष 2018 के समय अविभाजित कोरिया जिले में यह जिम्मेदारी निभा चुके थे। उस समय की सत्ताधारी दल ने कोरिया कलेक्टर को चुनाव के दौरान जिले में ही बनाए रखा था जबकि उनका एक मामले में उस समय काफी विरोध हुआ था और उनकी माफी के बाद मामला शांत हुआ था सत्ताधारी दल उस समय उनके साथ खड़ा था और उन्हे जिले से हटाने बिल्कुल तैयार नहीं था हुआ भी ऐसा ही वह जिले में बने रहे और उनके नेतृत्व में हुए चुनाव में जिले की तीनों सीटों पर भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा। इस बार वही जिलाधिकारी नवीन जिले में सत्ताधारी दल के द्वारा चुनाव के कुछ समय पूर्व पदस्थ किए गए थे उनके नेतृत्व में ही जिले की दो विधानसभाओं का चुनाव संपन्न हुआ और संयोग ही इसे कहें इस बार भी सत्ताधारी दल का दोनो विधानसभाओं से सफाया हो गया। यह मात्र एक संयोग ही है वैसे लेकिन चर्चा इस बात की हो रही है और लोगों के बीच यह बात सुनी भी जा रही है की सत्ताधारी दल के लिए जिलाधिकारी फिट नहीं बैठे। वैसे उन्होंने दोनो ही बार निष्पक्ष चुनाव कराया और यह इस बात से स्पष्ट भी होता है की सत्ता धारी दल को उनके कार्यकाल में हानि ही हुई दोनो बार।

जीतने लायक प्रत्याशी को पार्टी ने नहीं दिया टिकट

सत्ताधारी दल से मनेंद्रगढ़ विधानसभा के लिए एकमात्र जीतने लायक प्रत्याशी वर्तमान विधायक ही थे जिन्हे टिकट पार्टी ने नहीं दिया जिसके बाद उनके समर्थक भी मन से काम करने में रुचि नहीं दिखा सके वहीं कुछ पार्टी ही छोड़ दिए वहीं एक सीट जिसे सबसे सुरक्षित माना जा रहा था जहां सत्ताधारी दल से दूसरा कोई दावेदार ही सामने नहीं आया चुनाव पूर्व ही जिसे पार्टी ने जीती हुई सीट मान ली थी वहां भाजपा ने केंद्रीय राज्यमंत्री को प्रत्याशी बनाकर ऐसा घेरा की वह पूरे प्रचार अभियान के दौरान भाजपा प्रत्याशी के बयानों में ही उलझे रह गए और इस बीच भाजपा प्रत्याशी ने अपनी जीत उनसे चुरा ली।

केंद्रीय राज्यमंत्री को उनके विधानसभा से दूर अन्य विधानसभा में भेजकर भाजपा ने किया प्रयोग...मिली सफलता

केंद्रीय राज्यमंत्री को उनके विधानसभा से दूर अन्य विधानसभा में भेजकर भाजपा ने जो प्रयोग किया वह बिल्कुल सफल रहा राजनीति की मंझी खिलाड़ी केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह के सामने कांग्रेस के जीत मानकर चल रहे प्रत्याशी चारो खाने चित्त हो गए। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री को एक और फायदा मिला प्रचार अभियान के दौरान वह की कांग्रेस प्रत्याशी के सबसे करीबियों की वह वह करनी उजागर करती रहीं जिससे जनता भी त्रस्त थी सोनहत क्षेत्र के उनके खास समर्थक रहे हों या भरतपुर क्षेत्र के समर्थक वहीं कुछ जिला मुख्यालय के समर्थक सभी की करनी वह जनता के सामने रखती चली गई और उनकी जीत सुनिश्चित हो गई। अब जिलाधिकारी की चर्चा भी है की जहां जहां वह चुनाव के दौरान जिम्मेदारी सम्हाले वहां सत्ताधारी दल का सफाया हुआ यह एक नया विषय भी है समीक्षा के लिए।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सेवानिवृत्त सैनिकों तथा उनके परिवारों का हुआ सम्मान

भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की सहायता के लिए हर मुमकिन प्रयास करेंगे:कलेक्टर लंगेह

-संवाददाता-
कोरिया,07 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह द्वारा शहीद सैनिकों की विधवाओं, भूतपूर्व सैनिकों एवं सेना में सेवारत सैनिकों और उनके परिवारों को देश के प्रति उनकी सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर लंगेह ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस वर्ष सहयोग राशि का लक्ष्य 2 लाख रुपए का रखा गया है जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने समस्त अधिकारी-कर्मचारियों से दिल खोलकर अधिक से अधिक सहयोग राशि प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाएं कठिन हालातों में इतनी समस्या झेलकर हम सभी की हिफाजत करते हैं इसलिए हमारा भी फर्ज बनता है की हम ज्यादा से ज्यादा उनकी सहायता करें। कलेक्टर लंगेह ने सेवानिवृत्त सैनिकों एवं उनके परिवारों से बातचीत कर उन्हे आश्वासन दिया की प्रशासन उनकी सहायता के लिए हमेशा तत्पर है और हमारे द्वारा इनकी सहायता के लिए हर मुमकिन कोशिश की जाएगी। कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर रणजीत सिंह बिष्ट ने बताया कि इस दिन का मुख्य उद्देश्य सभी लोगों को देश की सुरक्षा में भागीदारी निभाने हेतु जागरूक करना है, इसके साथ उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येक वर्ष औसतन 40 हज़ार सैनिक सेवा निवृत्त होते हैं जिनमे सभी को नौकरी दे पाना मुश्किल हो जाता है इसीलिए सैनिक कल्याण विभाग द्वारा सशक्त झंडा दिवस पर लोगो के द्वारा सहायता के रूप में जमा की गई सहयोग राशि से सेवा निवृत्त सैनिकों तथा उनके परिवारों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। भारतीय सेना की बहादुरी,त्याग व समर्पण के सम्मान में हमारे देश में 07 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस हर्ष के साथ मनाया जाता हैं।

डीएवी पाण्डवपारा के छात्र-छात्राओं ने भटगांव में आयोजित खेल व एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मारी बाजी

-संवाददाता-
कोरिया,07 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

डीएवी खेल 2023 विगत दिनों डीएवी प्रबंधनकर्तृ समिति नई दिल्ली के निर्देशानुसार डीएवी खेल 2023 छग ज़ोन में क्लस्टर स्तर का दो दिवसीय आयोजन डीएवी स्कूल विश्रामपुर एवं डीवी स्कूल भटगाँव में आयोजित था। इस खेल स्पर्धा में समूह खेल व एथलेटिक्स के विविध विधाओं दौड़, फेंक, कूद आदि में आयोजन रखा गया था। इस आयोजन में डीएवी पाण्डवपारा से अंडर 14, 17 व 19 उम्र के छात्र/छात्राओं से कुल 107 खिलाड़ी प्रतियोगिता में शामिल हुए। जिसमें से डीएवी पाण्डवपारा के खिलाड़ियों ने समूह खेल के अंतर्गत खो-खो, कबड्डी, शतरंज और योगा में तथा एथलेटिक्स के दौड़ 100 मीटर, 200 मीटर 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, फेंक-तवा, गोला, कूद-लंबी और ऊँची कूद में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल किए। विद्यालयीन प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में विद्यालय के प्राचार्य पंकज भारती ने विजेता छात्र/छात्राओं को तालियों के गड़गड़ाहट के बीच बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दिए। भारती ने कहा कि खेल से जीवन में समूह भावना, अनुशासन व स्वावलंबन का विकास होता है। खेल से शरीर तंदरुस्त रहता है और लक्ष्य भेदन के कला/कौशल का विकास होता है। यशस्वी प्रधानमंत्री के खेलो इंडिया महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनाने में हमारी भूमिका अवश्य होनी चाहिए। विजेता छात्र/छात्राएं जोनल स्तर की आगे स्पर्धा के लिए आगामी दिनांक 8,9,10 दिसम्बर 2023 को डीएवी कोरबा, गेवरा, कुसमुंडा के लिए अपने प्रशिक्षक के साथ रवाना होंगे।

8 गोल्ड, 14 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल प्रतिभागियों ने प्राप्त किये। शतरंज (19 वर्षीय) बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर सत्येंद्र ठाकुर, संजय राजवाड़े, अविरल मिश्रा और राजीव रंजन। शतरंज (14 वर्षीय) बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर अर्शरंजन सिंह, अनमोल विश्वकर्मा, इसान पांडेय, हैमवती नंदन दुबे। योगा (14वर्षीय) बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर आदित्य राज सिंह, अंश कुमार, अजय राजवाड़े, रौनक चंद्रवंशी, जय प्रकाश। योगा (14 वर्षीय) बालिका वर्ग में प्रथम स्थान चिंकी साहू, लेखारानी, आंशिका, प्रीति, काव्या सोनी। एथेलेटिक्स- प्रथम- पूर्वी- ऊँची कूद, विक्टोरिया दादर-गोला फेंक और निश्चय सागर- गोला फेंक। लंबी कूद-प्रफुल्ल (प्रथम) दौड़-100 मीटर-श्रेया दुबे, 200 मीटर ध्रुव कुशवाहा एवं रूबी, नीरज सिंह, सुनील यादव, अनुज केवट, करुणा राजवाड़े, आरव जायसवाल द्वितीय स्थान पर रहे।

बैडमिंटन-द्वितीय स्थान-इच्छा एवं अर्पिता त्रिपाठी इस शानदार सफलता के लिए क्षेत्रीय प्रबंधक प्रशांत कुमार, चैयरमेन बीएन झा, सहक्षेत्र प्रबंधक आरपी मिश्रा, मल्लिका मुखर्जी (मैनेजर डीएवी पाण्डवपारा) तथा अभिभावकों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किये हैं। विद्यालयीन वरिष्ठ क्रीड़ा शिक्षक सत्यप्रकाश का मार्गदर्शन रहा। टीम के साथ संरक्षक शिक्षक संतोष कुमार कटकवार, यशोदा नंदन सिंह, हरीश, वेद प्रकाश आर्य, केया बोस, रीना सिंह, सुश्री स्नेहा मिश्रा, यशोवन्त प्रधान, अमित सिंह, आकांक्षा मसीह गए थे। विद्यालयीन सफलता से नगर में उत्साह का वातावरण व्याप्त है।

सरकार बदलते ही एक्शन में प्रशासन

अवैध कब्जाधारियों के बुलंद हौसले हुए पस्त,शिकायत के बाद भी नहीं होती थी कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,07 दिसंबर 2023
(घटती-घटना)।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने एवं सरकार के बदलने से अब अवैध कब्जाधारियों के हौसले लगे ठिकाने । बीते कुछ सालों में प्रदेश से लेकर जिले तक अवैध कब्जाधारियों की अंबार से लग गई थी । किसी भी जिले में ऐसा कोई सरकारी जमीन नहीं बचा था जिसे भूमाफियाओं से लेकर अवैध कब्जाधारियों द्वारा सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण न किया गया हो । अब इन अतिक्रमणकारियों के ऊपर किसका हाथ था, जिससे इनके हौसले इतने बुलंद हो चले थे के न तो इन्हे पुलिस का डर था और न ही प्रशासन का । ऐसा ही कोरबा जिले में भी पिछले पांच सालों में देखने को मिला जब पूरे शहर से लेकर ग्रामीण अंचल तक अवैध कब्जाधारियों एवं भूमाफियाओं द्वारा लगातार सरकारी जमीनों को छोटे छोटे गुमटियां बनाकर या बांस की लकड़ियों से घेर कर जमीनों पर कब्जा किया गया । निगम एवं प्रशासन ने बीच बीच में उक्त मामले पर कार्यवाही भी की पर शायद इन अतिक्रमणकारियों एवं भू माफियाओं के बुलंद हौसलों के सामने इनकी एक न चली । 03 दिसंबर को चुनाव नतीजे आने के महज तीन दिन के अंतराल में नई सरकार के गठन से पूर्व ही सरकारी खाली पड़ी जमीनों को अपना कहने वाले अतिक्रमणकारियों के छूटे पसीने । जिले के रामपुर क्षेत्र में पुलिस प्रशासन ने यहां वर्षों से चल रहे चखना दुकान के नाम से कब्जा किए गए सरकारी जमीनों को खाली कराते हुए अवैध दुकान के सामान को जब्त किया । वही जिले के रविशंकर से दादर बिरसा मुंडा कॉलोनी मार्ग पर सरकारी जमीन पर बने चखना दुकान को भी खाली कराते हुए सामानों को जब्त किया गया । सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार जिस दुकान में देसी विदेशी शराब दुकान चलाया जा रहा था उसे भी सरकारी जमीन पर स्थित अवैध दुकान बताया जा रहा है । अब देखना होगा के प्रशासन इस मामले में क्या जांच करती है क्योंकि यदि यह दुकान का निर्माण अवैध तरीके से बना है तो आबकारी विभाग इस दुकान में शराब दुकान चलाने की अनुमति कैसे दे सकता है ? बहरहाल प्रशासन के इस कार्यवाही से क्षेत्र वासी अत्यंत खुश दिखे । इस दौरान क्षेत्र वासियों ने कहा के विगत कई साल से रिहायशी क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर चल रहे चखना दुकानों से लोग परेशान थे । खासतौर पर महिलाओं को रात के वक्त चलना मुश्किल हो गया था । इन दुकानों के कारण नशे में धुत लोगों द्वारा राहगीरों को गाली गलौज किया जाता था जिसकी कई बार प्रशासन एवं निगम में शिकायत भी की गई थी पर कब्जाधारियों के हौसलों के आगे इनकी एक न चली । पर नए सरकार बनने से पूर्व प्रशासन ने इन अवैध चखना दुकानों में जो कार्यवाही की उससे दादर क्षेत्र वासी काफी खुश दिखे एवं मीडिया के माध्यम से प्रशासन से आग्रह भी किया के दोबारा इस मार्ग पर चखना दुकान चलाने पर लगाए रोक ।

मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने पुलिस और साइबर सेल टीम की रही अहम भूमिका

-संवाददाता-
कोरबा,07 दिसंबर 2023
(घटती-घटना)।

जिले के दीपक थाना क्षेत्र में हुए मर्डर मामले में पुलिस को मिली अहम सफलता । मामले का विवरण यह है कि प्रार्थी रवि उसरवर्षा निवासी प्रगति नगर ने थाने में आकर यह बताया के वह झोपड़पट्टी दीपिका बस स्टैंड के सामने मिक्सर, बिस्कुट का दुकान चलाता हूं। दिनांक 2/12/23 को रात्रि लगभग 10-30 बजे दुकान को बंद करके अपने घर चला गया था। दूसरे दिन दिनांक 03/12/23 को रोज की तरह सुबह लगभग 6:30 बजे दुकान को खोल साफ सफाई कर निकलने वाले कचरे को दुकान के पीछे फेंकने गया तो देखा कि वाटर ए.टी.एम के पीछे एक व्यक्ति ईट के ढेर के पास खून से लथपथ मृत अवस्था में पढ़ा हुआ है। जिसकी जानकारी थाना दीपका में दिया गया । मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला को घटना के बारे में जानकारी दिया गया,जिस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल पतासाजी के निर्देश प्राप्त होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रॉबिंसन गुड़िया की मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी दीपका अश्विनी राठौर एवं साइबर सेल प्रभारी कोरबा सउनि अजय सोनवानी के नेतृत्व में पुलिस टीम के द्वारा घटनास्थल के पास कैंप कर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया । जांच के दौरान चश्मदीद गवाह से घटना के बारे में पूछा गया। घटनास्थल और उसके आसपास का सीसीटीवी फुटेज खंगाला गया। पुलिस टीम को फुटेज में कुछ खास सफलता नहीं मिलने पर टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास के संदिग्ध व्यक्तियों से पतासाजी की जाने लगी के इसी बीच मुखबिर से सूचना प्राप्त हुआ कि घटना दिनांक से ही एक व्यक्ति हुलिया बदल लिया है और अपने घर भी नहीं आ रहा है। मुखबिर के बताए अनुसार उस व्यक्ति को पुलिस के द्वारा पकड़कर पूछताछ किया गया । जिस पर पहले तो उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की बाद में पुलिस ने जब उससे कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म स्वीकार किया और बताया कि घटना की रात मृतक निकोलस टोप्पो से सामुदायिक भवन के पास किसी बात को लेकर विवाद होने के बाद, मृतक नशे की हालत में उसका पीछा कर दुकान के पास उसे रोक कर उससे मारपीट करने लगा तो गुस्से में आकर मैंने उसे दुकान के पीछे ईट के पास पटक कर लात और ईट से मार कर उसे गंभीर चोट पहुंचाकर उसकी हत्या कर दि । आरोपी के विरुध्द पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने पर आरोपी चंदन बाल्मिक (बैरीसार) पिता राममूरत बाल्मिक उम्र 22 वर्ष साकिन प्रगति नगर झोपड़पट्टी दीपिका जिला कोरबा के विरूद्ध अपराध क्रमांक 411/2023 धारा- 302 भादवि के तहत विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया ।

कलेक्टर ने ली महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,07 दिसंबर 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नरेन्द्र कुमार दुगा ने महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में मुख्य रूप से विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना की कम प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हूए उपस्थित अधिकारियों, पर्यवेक्षको को कहा गया कि योजनांतर्गत अभियान चला कर लक्षित हितग्राहियों को लाभाविंत करते हुए लक्ष्य कि पूर्ति करना सुनिश्चित करें। उपस्थित पर्यपेक्षकों द्वारा साफ्टवेयर की समस्या बताई गई तो कलेक्टर द्वारा कहा गया कि समय पर इसका सामाधान क्यों नहीं किया गया जो पर्यवेक्षक प्रशिक्षित एवं अपनी एंट्री कर पा रही है, उनसे शेष परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षको, आगंनबाड़ी कार्यकर्ताओं की टेऊनिंग करा कर पंजीयन एवं हितग्राहियो को भुगतान सुनिश्चित किया जाये। उपस्थित स्वास्थ्य अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया कि समन्वय के साथ मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन हेतु समय पर एम.सी.पी. कार्ड एवं आईडी नम्बर उपलब्ध कराया जाये एवं कार्ड पर सभी आवश्यक जानकारियां भी दर्ज करना सुनिश्चत करें। उपस्थित परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक गहन निरीक्षण कर आंगनबाड़ी केन्द्रों में सुधार करना सुनिश्चित करें। जिसमें निर्धारित समय पर केन्द्र खुलना एवं बंद होना, साफ-सफाई पर विशेष ध्यान, बच्चों की उपस्थिति, अन्य विभाग से समन्वय कर केन्द्र को दुरूस्त किया जाये। यह भी सुनिश्चित करें कि जहॉ बालबाड़ी केन्द्र खुले है वहॉ 5 से 6 वर्ष के बच्चों को पढ़ने भेजे यह प्री-प्राइमरी स्कूल स्वरूप है। वहॉ बच्चों को भेजने हेतु निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 4 महीनों में आगनबाड़ी केन्द्रों का स्वरूप सुन्दर आकर्षक लगे। इस हेतु कार्यकताओं की मोटीवेंशनल क्लास लेकर उन्हें प्रोत्साहित करें।

बालको ने दिव्य ज्योति स्कूल के साथ मनाया अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

-संवाददाता-
कोरबा,07 दिसंबर 2023
(घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने समावेशिता को बढ़ावा देने और दिव्यांग बच्चों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम का किया आयोजन। कंपनी ने दिव्यांग बच्चों के लिए माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन और कपड़ा सिलाई पर प्रशिक्षण सहित कई सत्रों को आयोजित किया। इस दौरान कंपनी ने अपने कर्मचारियों को प्रेरक कहानियों और हस्त चित्रों के साथ इन बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

बालको ने माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेष रूप से डिजाइन किए गए शिक्षण मॉड्यूल को शुरू किया। यह मॉड्यूल बालको की नई किरण परियोजना के अंतर्गत शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य माहवारी संबंधी मिथकों और भ्रांतियों के प्रति लोगों में जागरूकता और क्षमता निर्माण के माध्यम से माहवारी के दौरान स्थायी स्वच्छता प्रथाओं का विकास करना है। दिव्यांग बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए निर्देशित इस मॉड्यूल में विशेष रूप से माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन पर दिव्यांग किशोरों को शिक्षित करने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई शिक्षण सामग्री और तरीके उपलब्ध कराए गए हैं। बालको ने 'स्टिच माई ओन पैड' नामक एक विशेष क्षमता-निर्माण कार्यक्रम भी संचालित किया। आर्थिक रूप से कमजोर और माहवारी से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करते हुए कंपनी द्वारा संचालित प्रशिक्षण ने अलग-अलग दिव्यांग किशोरियों को अपने स्वयं के पुन- प्रयोज्य कपड़े के पैड सिलने के लिए सशक्त बनाया। बालको ने उनकी माहवारी संबंधी जरूरतों के लिए एक स्थायी और स्वच्छ समाधान प्रदान किया है। कंपनी के मॉड्यूल से मूक, श्रवण और दृष्टि बाधित बच्चों और संवेदी चुनौतियों का सामना करने वाले इन व्यक्तियों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। कर्मचारी की स्वयंसेवा भावना के माध्यम से कंपनी ने अपने कर्मचारियों के साथ परिचर्चा सत्र का आयोजन किया, जिसने इन दिव्यांग बच्चों में आशा और प्रेरणा पैदा की। कई कर्मचारी प्रेरणादायक कहानी सुनाने और हाथ से पेंटिंग बनाने जैसी गतिविधियों के माध्यम से इन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों के लिए सरकारी संस्थान, दिव्य ज्योति स्कूल, कोरबा छत्तीसगढ़ के 120 से अधिक दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको समावेशिता की शक्ति और समाज के समग्र विकास पर इसके सकारात्मक प्रभाव में विश्वास करता है। बालको में हम ऐसे वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो सभी को समान अवसर दे। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर हमें अपनी पहल के साथ एक समावेशी समाज के निर्माण में योगदान करने पर गर्व है, जिसका उद्देश्य न केवल शिक्षा और सहायता प्रदान करना है, बल्कि सभी लोगों में सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा देना भी है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से हम बाधाओं को तोड़ने और सभी के लिए अधिक न्यायसंगत भविष्य बनाने की उम्मीद करते हैं।

केन्द्र में धान को बारिश से बचाने के लिए कैप कवर लगाई गई है

-संवाददाता-
जशपुनगर 07 दिसंबर 2023
(घटती-घटना)।

जिले में पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी किया जा रहा है। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज की स्थिति में जशपुर जिले में कुल 85026.40 क्विंटल धान उपार्जित किया गया है। बारिश को देखते हुए कैप कवर लगाई गई है, खाद्य अधिकारी ने बारिश को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था हेतु अलर्ट रहने कहा है। उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से धान खरीदी का कार्य 01 नवम्बर 2023 से प्रारंभ हो गया है। किसानो की सुविधा हेतु छत्तीसगढ़ शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण द्वारा जशपुर जिले में 24 समिति के 46 धान उपार्जन केन्द्र संचालित है। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 05 नवीन धान उर्पाजन केन्द्र प्रारंभ किया गया है। इनमें धान उर्पाजन केन्द्र कस्तुरा, फरसाकानी,चेटबा, समडमा और गाला शामिल हैं।

बैरियर में धान के अवैध परिवहन की जांच व आवश्यक कार्यवाही के दिये दिशा निर्देश

अंतर्राज्यीय पुलिस जांच चौकी नवाटोला का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

-संवाददाता-
सूरजपुर,07 दिसंबर 2023
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के पंजीकृत पात्र किसान अपनी धान की फसल के प्रत्येक अन्न के दाने का मूल्य प्राप्त कर सके, इसे सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर संजय अग्रवाल बिहारपुर नवाटोला के अंतर्राज्यीय पुलिस जांच चौकी नवाटोला थाना चांदनी पहुंचे थे। जहां उन्होंने बैरियर में तैनात परिवहन, आबकारी, वन और पुलिस के जवानों को धान के अवैध परिवहन को रोकने के लिए सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बैरियर में अवैध धान परिवहन की जांच और कार्यवाही के लिए सभी अलर्ट मोड पर रहेंगे ताकि बिचौलियों को निष्क्रिय किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने अंतर्राज्यीय वनोपज जांच नाका के रजिस्टर की चेकिंग भी की।

कलेक्टर ने बिहारपुर तहसील कार्यालय का निरीक्षण भी किया। जहां उन्होंने भैयाथान एसडीएम को प्रत्येक शुक्रवार को लगने वाले मार्केट दिवस पर ब्लॉक लेवल के सभी अधिकारियों की उपस्थिति में जन समस्या निवारण गतिविधि के शुरुआत करने की बात कही ताकि आमजन की समस्याओं का निदान किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने वहां उपस्थित जनों से सामान्य चर्चा की और उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली और समस्याओं के आधार पर वहां उपस्थित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी पहुंचे थे। जहां उन्होंने उपस्थित डॉक्टर और स्टाफ से चर्चा की। उन्होंने मरीजों की सुविधाओं के संबंध में चर्चा की और उपस्थित डॉक्टर और नर्स स्टाफ को सेवा के स्तर को बेहतर से बेहतर करने के लिए कहा जैसे कि स्वास्थ्य सेवा का लाभ लेने वाला प्रत्येक मरीज यहां से निरोगी व संतुष्ट होकर यहां से जाए। गर्भवती महिलाओं को बेहतर से बेहतर सुविधा देने की बात उन्होंने की ताकि इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने 10 बिस्तर वाले एनआरसी का निरीक्षण भी किया। जहां उसके इंफ्रास्ट्रक्चर को और बेहतर करने के लिए उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश उपस्थित संबंधितों को दिए। इसके अलावा कलेक्टर द्वारा आंगनबाड़ी, स्कूल, जनपद कैम्प कार्यलय, रसौकि निर्माणाधीन सड़क,जल जीवन मिषन, रकसगंडा इंटेक परियोजना का निरीक्षण किया गया और आवष्कता अनुरूप संबंधितो को आवष्यक दिषा निर्देष दिए गये। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम, एसडीएम सागर सिंह सी एम एच ओ डा आर एस सिंह पीएचई ई ई एस बी सिंह महिला बाल विकास अधिकारी चंद्रबेस सिंह सिसोदिया खाद्य अधिकारी विजय किरन तहसीलदार व अन्य संबंधित उपस्थित थें।

कलेक्टर ने एक्सिस बैंक की बिहारपुर शाखा व एटीएम सेंटर का किया उद्घाटन

-संवाददाता-
सूरजपुर,07 दिसंबर 2023
(घटती-घटना)।

एक्सिस बैंक की बिहारपुर शाखा व एटीएम सेंटर का उद्घाटन आज कलेक्टर संजय अग्रवाल द्वारा किया गया। जिससे इस क्षेत्र में बैंकिंग सुविधा का विस्तार हुआ है, जिससे निश्चित रूप से बिहारपुर के क्षेत्र वासियों को लाभ होगा। उद्घाटन के पश्चात कलेक्टर संजय अग्रवाल द्वारा एक्सिस बैंक का अवलोकन किया गया और एक्सिस बैंक के अधिकारियों व स्टाफ से क्षेत्र वासियों को दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी भी ली गई। सूरजपुर जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी पर खुले एक्सिस बैंक को उन्होंने शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही क्षेत्र वासियों के लिए इसे लाभप्रद बताया। उन्होंने कहा कि बैंक के खुलने से बिहारपुर के आसपास के लोग इस शाखा द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का लाभ उठा पाएंगे। उन्होंने कहा प्रत्येक व्यक्ति मेहनत से पूंजी कमाता है जिसे सुरक्षित रखने के लिए बैंक एक बेहतर विकल्प है, जिसे सभी को अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर एक्सिस बैंक के शाखा प्रमुख जितेश सिंह ने बताया कि उनके शाखा का उद्देश्य प्रत्येक कस्टमर को बेहतर सेवा प्रदान करना है। उनकी शाखा में मुद्रा लोन से लेकर केसीसी जैसी सुविधा भी उपलब्ध है। प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसान हो, व्यापारी हो या आम नागरिक सभी के लिए उनकी शाखा में बेहतर विकल्प उपलब्ध है।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूज़ीलैंड टीम घोषित

» क्लार्कसन,ओरूर्के और अशोक को पहली बार मौका,विलियमसन को दिया गया आराम

ब्रिसबेन,07 दिसम्बर 2023। बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन, तेज गेंदबाज विल ओ रुर्के और लेग स्पिनर आदित्य अशोक को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। वहीं टीम की कप्तानी टॉम लैथम को सौंपी गई है।

केन विलियमसन सहित सीनियर्स खिलाड़ियों को दिया गया है आराम

बांग्लादेश के खिलाफ न्यूजीलैंड को तीन वनडे मैचों की सीरीज 17 दिसंबर से खेलना है। इस सीरीज से नियमित कप्तान केन विलियमसन सहित टीम के सीनियर खिलाड़ी टिम सउदी, डेरिल मिचेल, मिचेल सैंटनर, ग्लेन फिलिप्स और डेवोन कॉन्वे को आराम दिया गया है। ये सभी खिलाड़ी अभी बांग्लादेश के दौरे पर हैं और दो टेस्ट मैचों की सीरीज में टीम का हिस्सा हैं।
ये भारत में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे। वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड को भारत से हार का सामना करना पड़ा था। वर्ल्ड कप के बाद सभी बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने के लिए भारत से ढाका रवाना हो गए थे। वहीं ईश सोढ़ी भी पहले वनडे के लिए टीम के हिस्सा हैं। उन्हें दूसरे और तीसरे मुकाबले से आराम दिया गया है।

चोट की वजह से कई खिलाड़ी चयन के लिए नहीं थे उपलब्ध

न्यूजीलैंड टीम को चोट से जूझना पड़ा रहा है। कई खिलाड़ी चोटिल हैं। माइकल ब्रेसवेल, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, जम्स नीशम, बेन लिस्टर और हेनरी शिपली चोट की वजह से जूझ रहे हैं और इस सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं थे।

क्लार्कसन ने डोमेस्टिक टूर्नामिंट में बल्ले और गेंद से किया है शानदार प्रदर्शन

जोश क्लार्कसन ने घरेलू डोमेस्टिक टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक 68 लिस्ट ए मैचों में 1, 748 रन बनाए हैं। जिसमें 3 शतक और 8 अर्धशतक शामिल है। उनका औसत 32.37 का रहा है। जबकि स्ट्राइक रेट 99.48 का है। इसके साथ ही वह 27 विकेट भी ले चुके हैं।

आदित्य अशोक खेल चुके है टी-20

लेग स्पिनर आदित्य अशोक न्यूजीलैंड के लिए एक टी-20 मैच खेल चुके हैं। उन्हें एक विकेट भी मिला था।

विल ओरुर्के को लिस्ट ए में लिए हैं 27 विकेट

22 साल के विल ओरुर्के ने 17 मैच खेले हैं और 5.01 की इकोनॉमी रेट से 27 विकेट लिए हैं।

वनडे के लिए न्यूजीलैंड टीम

टॉम लैथम (कप्तान), आदित्य अशोक (मैच 2 और 3), फिन एलन, टॉम ब्लंडेल, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, हेनरी निकोल्स, विल ओरूर्के, रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी (मैच 1) और विल यंग।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया

इंग्लैंड ने नॉर्थ साउंड में दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर सीरीज बराबर कर ली

सेंट जॉन्स,07 दिसम्बर 2023। गेंदबाजी ऑलराउंडर सैम कुरेन और कप्तान जोस बटलर की फॉर्म में वापसी और सलामी बल्लेबाज विल जैक के विस्फोटक अर्धशतक की मदद से इंग्लैंड ने नॉर्थ साउंड में दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर सीरीज बराबर कर ली।
पहले वनडे में चार विकेट से करारी हार के बाद, कुरेन, जिन्होंने बिना कोई विकेट लिए 98 रन बनाए थे और आउट-ऑफ-फॉर्म बटलर ने दूसरे वनडे में अपने सर्वश्रेष्ठ की झलक दिखाई और विल जैक और फिल की नई सलामी जोड़ी ने साल्ट ने वनडे में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा।
तीन मैचों की सीरीज अभी 1-1 से बराबर है। इंग्लैंड द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने पर, वेस्ट इंडीज को गस एटकिंसन और कुरेन की तेज गेंदबाजी जोड़ी के शुरुआती आक्रमण से झटका लगा, क्योंकि एटकिंसन ने एलिक अथानाजे (4) को आउट किया और कुरेन को ब्रैंडन किंग (17) को आउट करने के लिए स्लिप में जैक क्रॉली की मदद मिली। और कीसी कार्टी (0), जबकि उन्होंने शिम्रोन हेटमायर को शून्य पर पगबाधा आउट किया। वेस्टइंडीज का स्कोर सात ओवर में 23/4 था।
पावरप्ले एक के बाद 10 ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर 41/4 था। वेस्टइंडीज 12.2 ओवर में 50 रन के पार पहुंच गया। पहले वनडे के शतकवीर कप्तान शाई होप ने अपनी अच्छी फॉर्म बरकरार रखी और

शेरफेन रदरफोर्ड के साथ रिकवरी पार्टनरशिप की। वेस्टइंडीज ने 19.3 ओवर में 100 रन का आंकड़ा छू लिया। होप ने 44 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से अपना 25वां वनडे अर्धशतक पूरा किया।
दोनों ने शतकीय साझेदारी भी पूरी की। वेस्टइंडीज 29.1 ओवर में 150 रन के पार पहुंच गया। शेरफेन ने 71 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से अपना पहला वनडे अर्धशतक पूरा किया। लिविंगस्टोन ने 80 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाने वाले शेरफेन को आउट कर 129 रन की साझेदारी को तोड़ा। 29.4 ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर 152/5 था।
लिविंगस्टोन को होप का कीमती विकेट भी मिला, जिन्होंने उन्हें 68 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 68 रन पर आउट किया। उस समय से, वेस्टइंडीज को एक और पतन का सामना करना पड़ा और 39.4 ओवर में 202 रन पर ढेर हो गई। कुरेन (3/33) और लिविंगस्टोन (3/39) इंग्लैंड के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ रहे।
एटकिंसन और किशोर स्पिनर रेहान अहमद को दो-दो विकेट मिले। 203 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साल्ट और जैक्स ने केवल 5.4 ओवर में 50 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को एक बार फिर अच्छी शुरुआत दी। साल्ट को रोमारियो शेफर्ड ने 15 गेंदों में चार चौकों की मदद से 21 रन बनाकर क्लीन बोल्ड कर दिया। पांच ओवर में इंग्लैंड का स्कोर 50/1 था. इंग्लैंड ने पहले दस ओवर 74/1 पर समाप्त किए।
हालाँकि, स्पिनर गुडाकेश मोती ने जैक क्रॉली और बेन डकेट दोनों को तीन-तीन रन पर आउट कर इंग्लैंड का स्कोर 85/3 कर दिया। जैक्स ने 43 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। इंग्लैंड ने 16.5 ओवर में 100 रन का आंकड़ा पार किया।
रदरफोर्ड ने 72 गेंदों में छह चौकों और चार छक्कों की मदद से 73 रन बनाने वाले जैक्स को पगबाधा आउट करके वेस्टइंडीज को मैच में वापस ला दिया। 19.5 ओवर में इंग्लैंड का स्कोर 116/4 था. कप्तान बटलर और हैरी ब्रूक ने छह विकेट और 17 ओवर शेष रहते हुए इंग्लैंड को विजयी स्कोर तक पहुंचाया।

75वीं सीनियर,52वीं जूनियर नेशनल ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप में आर्य कॉलेज को मिला सिल्वर मेडल

पानीपत,07 दिसंबर 2023। 75वीं सीनियर महिला और पुरुष, 52वीं जूनियर तथा 38वीं सब जूनियर बालक एवं बालिका राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप मे आर्य कॉलेज के विद्यार्थी ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। उन्होंने आज विजेता खिलाड़ी को कॉलेज में प्रांगण में सम्मानित किया व उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश सैनी, प्राध्यापिका मामनी सैनी, डॉ. राजेश टूर्ण कोच राजेंद्र देशवाल, राजा तोमर व सुनील को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी। कॉलेज प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने बताया कि भारतीय साइकिलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया और झारखंड साइकिलिंग संघ के संयुक्त तत्वावधान में सिदो कान्हू वेलोड्रम स्टेडियम खेलगांव रांची में

75वीं सीनियर महिला एवं पुरुष, 52वीं जूनियर तथा 38वीं सब जूनियर बालक एवं बालिका राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। जिसमें आर्य कॉलेज के छात्र बीए प्रथम वर्ष के छात्र गौतम ने 4 किलोमीटर टीम टीम अनुसरण में सिल्वर मेडल हासिल कर कॉलेज का नाम रोशन किया। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

बड़े रिकॉर्ड तोड़ना मायने रखता है:शुभमन गिल

नई दिल्ली,07 दिसंबर 2023। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि वह स्थायी सफलता के क्षितिज पर अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं और बिना किसी विशिष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि को ध्यान में रखे लगातार प्रमुख रिकॉर्डों को पार करने का लक्ष्य बना रहे हैं।
क्रिकेट के प्रतिभाशाली खिलाड़ी गिल इस साल की शुरुआत में हैदराबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ 149 गेंदों में 208 रन बनाकर वनडे दोहरा शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। साथ ही वो सबसे तेज़ 1000 वनडे रन बनाने वाले भारतीय भी बन गए। एक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए 24 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने कहा कि सबसे कम उम्र में 200 का स्कोर बनाना एक बड़ी उपलब्धि है लेकिन वह दीर्घकालिक सफलता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।
गिल ने कहा, 200 का स्कोर हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के होने

का गौरव प्राप्त करना वास्तव में एक उपलब्धि है। लेकिन, मेरा प्राथमिक ध्यान दीर्घकालिक सफलता पर है। लगातार महत्वपूर्ण रिकॉर्ड को पार करना मेरे लिए मायने रखता है। फिलहाल कोई व्यक्तिगत रिकॉर्ड मेरे दिमाग में नहीं है। गिल ने अपने प्रेरणास्त्रोत सचिन तेंदुलकर की प्रशंसा करते हुए कहा, सचिन तेंदुलकर सर्वकालिक महान हैं और मैंने उनकी वजह से क्रिकेट खेलना शुरू किया। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ने भारत के विश्व कप 2023 अभियान पर भी विचार किया और कहा, यह हम सभी के लिए दिल तोड़ने वाला था। हालांकि, खिलाड़ी के रूप में भविष्य की चुनौतियों के लिए तत्पर रहना हमें आगे बढ़ाता है। इसलिए आगे बढ़ना हमारी यात्रा का एक अनिवार्य पहलू है।
गिल, जिन्हें आखिरी बार अहमदाबाद में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के दौरान एक्शन में देखा गया था। दक्षिण अफ्रीका में आगामी मैचों के लिए तैयारी कर रहे हैं। वह आने वाले दिनों में तीन मैचों की टी20 सीरीज में शामिल होने और दो टेस्ट मैचों में भाग लेने के लिए तैयार हैं।

हमें अपनी गलतियों से सीखना होगा : हरमनप्रीत

मुंबई ,07 दिसंबर 2023। इंडियन वुमेन क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि नए गेंदबाजों को 2024 महिला टी20 विश्व कप से पहले अपने आपको हर चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर की बदौलत शुरुआती ओवर में ही इंग्लैंड को झटके लगे। लेकिन अन्य गेंदबाज, जिनमें दो नए स्पिनर सायका इशाक और श्रेयंका पाटिल शामिल थे, वो अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे। इसके बाद खराब भारतीय गेंदबाजी के कारण मेहमान टीम ने 197/6 का स्कोर बनाया।
198 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (42 गेंद में 52 रन, नौ चौके) के अर्धशतक के बावजूद छह विकेट पर 159 रन ही बना सकी।मैच खत्म होने के बाद हरमनप्रीत ने कहा, हमने अपनी योजनाओं का पालन नहीं किया। नए गेंदबाजों को टी20 विश्व कप में जाने

से खुद को तैयरा करना होगा। मुझे पता है कि यह एक कठिन चुनौती है। विरोधी टीम में बहुत अच्छे बल्लेबाज हैं। उन्होंने इतने सालों तक अच्छा क्रिकेट खेला है। हमने गेंदबाजी में थोड़ा बदलाव किया है। हम मजबूत होकर जल्द वापसी करेंगे।
खराब गेंदबाजी और बल्लेबाजी के अलावा, भारत की फील्डिंग भी खराब रही। डैनी और नैट साइवर को एक ही ओवर में जीवनदान मिला।
भारतीय कप्तान ने कहा, मैं अच्छी फील्डिंग की उम्मीद कर रही थी, लेकिन जब आप अंतर्राष्ट्रीय खेल से दूर होते हैं, तो दबाव आप पर हावी हो सकता है। हमें बस खुद का समर्थन करने की जरूरत है, हम अच्छी शुरुआत की तलाश में थे। कुछ विकेट गिरने के बाद हमने खेल पर नियंत्रण बना लिया था लेकिन आखिरी दस ओवर योजना के मुताबिक नहीं रहे।इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट अपने भारत दौरे की विजयी शुरुआत से खुश हैं।उन्होंने कहा, टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। हमने आक्रमण करना जारी रखा, सही क्षेत्र चुने, अच्छी साझेदारी की। हम इसी तरह से खेल को देखना चाहते हैं। हम विपक्षी टीम पर दबाव बनाना चाहते हैं।

शेन वॉटसन को क्वेटा ग्लेडियेटर्स का मुख्य कोच नियुक्त किया गया

नई दिल्ली ,07 दिसंबर 2023। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी शेन वॉटसन को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के आगामी संस्करण के लिए क्वेटा ग्लेडियेटर्स का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। फ्रेंचाइजी ने बुधवार को इसकी घोषणा की।
घोषणा में टूर्नामेंट के उद्घाटन के बाद से ग्लेडियेटर्स का पहला कोच परिवर्तन देखा गया, क्योंकि पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज मोइन खान, जिन्होंने आठ साल तक कोच के रूप में कार्य किया, को टीम निदेशक की भूमिका में पदोन्नत किया गया।
टीम के मालिक नदीम उमर ने टीम के सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक बयान में कहा, शेन संन्यास लेने से पहले देश की प्रीमियर लीग के शुरुआती सीज़न में क्वेटा ग्लेडियेटर्स की सफलता का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं और टीम को प्रशिक्षित करने और उन गौरवशाली दिनों को वापस लाने के लिए उनसे बेहतर कोई विकल्प नहीं है जिनके लिए हम प्रसिद्ध हैं। मैं उन्हें उनकी नई भूमिका के लिए शुभकामनाएं देता हूं और क्वेटा ग्लेडियेटर्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उनकी क्षमताओं पर विश्वास करता हूं।
वॉटसन का ऑस्ट्रेलिया के लिए एक ऑलराउंडर के रूप में शानदार करियर रहा है, उन्होंने टीम के हिस्से के रूप में 2007 और 2015 में विश्व कप जीता था। 42 वर्षीय ने 2020 में सभी क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह 2022 में अपने पूर्व ऑस्ट्रेलिया टीम के साथी रिकी पोंटिंग के साथ सहायक कोच के रूप में आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स में शामिल हुए।
इस साल की शुरुआत में, उन्हें मेजर लीग क्रिकेट फ्रेंचाइजी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।
ग्लेडियेटर्स अपने पहले चार संस्करणों के दौरान पीएसएल की सबसे लगातार फ्रेंचाइजी थी, जब वे तीन बार फाइनल में पहुंचे, और 2019 में खिताब भी जीता।

फाइटर में दिखा अनिल कपूर का झलक

पिछले कई दिनों से फिल्म फाइटर सुर्खियों में है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म से सबसे पहले ऋतिक रोशन का लुक सामने आया था।बीते दिन स्क्वाडन लीडर के रूप में दीपिका पादुकोण की दमदार झलक दर्शकों के बीच आई और अब अनिल कपूर का धमाकेदार अवतार सामने आ चुका है। फिल्म में वह ग्रूप कैप्टन राकेश जय सिंह उर्फ रॉकी की भूमिका में दिखेंगे। खुद अनिल ने एक पोस्ट कर यह खुलासा किया है।
वर्दी पहने कैप्टन की भूमिका में अनिल काफी जंच रहे हैं। वैसे भी वह अपनी जबरदस्त फिटनेस के लिए जाने जाते हैं और ये किरदार उन पर इसी वजह से काफी खिल रहा है। अनिल कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर लुक शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ग्रुप कैप्टन राकेश जय सिंह, कॉल साइन : रॉकी, डेजिग्नेशन : कमांडिंग ऑफिसर, यूनिट : एयर ड्रैगन, फाइटर फॉरएवर।
फाइटर के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद, पैटी के रूप में ऋतिक के भारत के बेस्ट फाइटर पायलट बनने के सफर को दर्शाते हैं। फिल्म के जरिए ऋतिक और दीपिका की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर नजर आएगी। मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से वायाकॉम18 स्टूडियो द्वारा निर्मित और प्रस्तुत, यह फिल्म भारत के 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

छोटे पर्दे पर डेब्यू कर रही शेफाली जरीवाला, कहा-शैतानी रस्में जैसी कहानी का इंतजार था

कांटा लगा गर्ल के नाम से मशहूर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला, जो अपकमिंग शो शैतानी रस्में से टीवी पर डेब्यू करने जा रही हैं, ने कहा कि वह पहले टीवी रोल्स पर विचार करने के लिए बहुत मनमौजी थी, वह टीवी शो के स्टोरी और कॉन्सेप्ट के मोनोटोनी से जुड़ नहीं पाती थी।शेफाली ने अपने टीवी डेब्यू और इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह पर चर्चा की। एक नई चुनौती को स्वीकार करते हुए, शेफाली शैतानी रस्में के साथ छोटे पर्दे पर नजर आएंगी।
उन्होंने कहाः मेरा मानना है कि मैं पहले टीवी रोल्स पर विचार करने के लिए बहुत मनमौजी थी। मैं टीवी शो के स्टोरी और कॉन्सेप्ट के मोनोटोनी से जुड़ नहीं पाई।

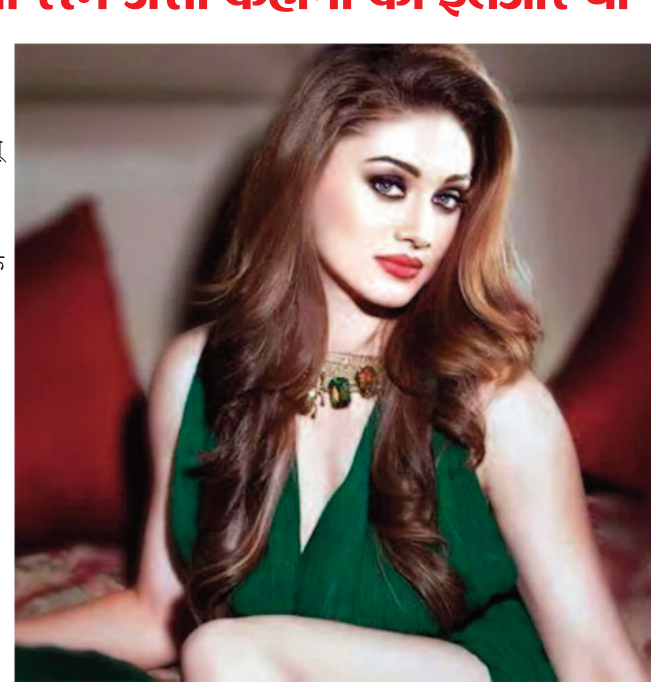

पूर्व बिग बॉस कंटेस्टेंट ने शेयर कियाः जब मुझे शैतानी रस्में का हिस्सा बनने का अवसर दिया गया, तो मैंने तुरंत हां कह दी। ऐसा लगा कि यह मेरे लिए टीवी के बारे में जानने का सही अवसर है क्योंकि यह बहुत ही अलग कॉन्सेप्ट पेश करता है।उन्होंने आगे कहा, एक कलाकार के रूप में मैं दिलचस्प कहानी की भूखी हूं और यह वही है जिसका मैं इंतजार कर रही थी।शैतानी रस्में का प्रीमियर जल्द ही स्टार भारत पर होगा।

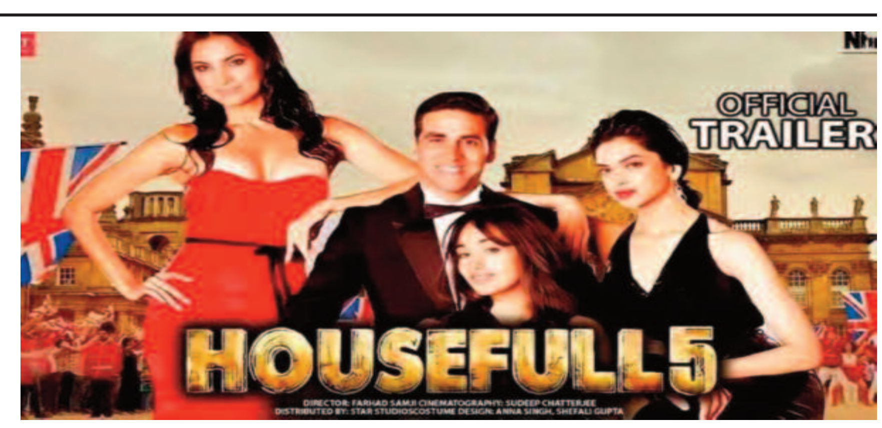

अक्षय कुमार की हाउसफुल 5 के लिए करना होगा और अधिक इंतजार,बदली रिलीज तारीख

'हाउसफुल 5' अक्षय कुमार की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. पॉपुलर फ्रेंचाइजी हाउसफुल ने अपनी हर फिल्म से दर्शकों को खूब हंसाया है. वहीं अब इस फ्रेंचाइजी की पांचवी किस्त का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. हालांक फिल्म को लेकर जो अपडेट आया है उससे फैंस को झटका लग सकता है. दरअसल एंटरनमेंट और हंसी के डबल डोज से भरी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'हाउसफुल 5' की रिलीज डेट मेकर्स ने टाल दी है. चलिए यहां जानते हैं ये फिल्म अब कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी.अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. इसके साथ ही खिलाड़ी कुमार ने तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित फिल्म हाउसफुल 5 की नई रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है. पहली तस्वीर में अनाउंस किया गया है कि इंडिया की सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रेंचाइजी जून 2025 में बैक करेगी. इसके साथ ही एक और तस्वीर में टीम की ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी की गई है. जिसमें लिखा गया है, हाउसफुल फ्रेंचाइज़ी की भारी सफलता का क्रेडिट दर्शकों को जाता है, और हम हाउसफुल 5 के लिए भी इसी तरह के वेलतम की उम्मीद करते हैं. टीम ने एक बिल्कुल माइंड-ब्लोइंड कहानी तैयार की है जो मांग करती है टॉप लेवल का वीएफएक्स. इसलिए, हमने एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव के साथ पांच गुना एंटरटेनमेंट सुनिश्चित करने के लिए रिलीज डेट को आगे बढ़ाने का फैसला लिया है. 'हाउसफुल 5' अब 6 जून, 2025 को रिलीज होगी.

किसके सर सजेगा मुख्यमंत्री का ताज ?

» 3 राज्यों के सीएम फेस को लेकर आया नया अपडेट

» छत्तीसगढ़ को आज मिल जाएगा नया सीएम!

» पीएम मोदी कर रहे सांसदों से चर्चा

रायपुर,07 दिसम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में सरकार भाजपा ने बना ली है लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा उसका नाम अब तक तये नहीं हो पाया है। भाजपा छत्तीसगढ़ में पर्यवेक्षक बनाकर भेज चुकी है। अब ऐसा माना जा रहा है कि बहुत जल्द छत्तीसगढ़ को उसका मुख्यमंत्री मिल सकता है। इसी बीच दिल्ली में पीएम मोदी सांसदों से चर्चा भी कर रहे हैं। हालांकि चर्चा में संसद सत्र पर भी बाते हो रही है लेकिन सीएम के नाम पर भी ध्यानांकर्षण की बात है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के साथ प्रदेश के वह सांसद जिन्होंने विधानसभा का चुनाव लड़ा और जीता है उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। जिसमें बिलासपुर से सांसदे रहे अरुण साव, सरगुजा सांसद रेणुका सिंह,रायगढ़ सांसद गोमती साय ने इस्तीफा दिया है। हालांकि विजये बघेल भी इस लिस्ट में शामिल हो सकते थे लेकिन वह अपना चुनाव हार गए है। इस नाते विजय बघेल फिलहाल दुर्ग से सांसद बने रहेंगे। इस इस्तीफे के बाद दिल्ली में पीएम मोदी ने सभी सांसदों के साथ बैठकर छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री को लेकर राय मशवरा की है इन्हीं चर्चाओं के साथ छत्तीसगढ़ में ऐसा माना जा रहा है कि प्रदेश में आने वाले 8 दिसंबर को नया मुख्यमंत्री मिल जाएगा।

कौन हो सकता है सीएम

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री कौन होगा उसको लेकर बाजार गर्म है। भाजपा में बड़े नेताओं को सुरक्षा देने पुलिस का बल तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की रेस में सबसे पहला नाम ओबीसी चेहरे के रूप में अरुण साव का चल रहा है वहीं आदिवासी चेहरे कि अगर बात करें विष्णु देव साय का नाम सबसे आगे चल रहा है। वहीं बीजेपी छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री को लेकर पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह को दर्किनार नहीं कर पा रही है इस लिए उनकी वरिष्ठता को भी ध्यान में रखा जा रहा है। अगर पार्टी किसी पर भी विचार नहीं कर पाई तो अंत में डॉ रमन ही मुख्यमंत्री होंगे। क्योकि यह साफ है कि छत्तीसगढ़ में विधानसभा प्रत्याशी से लेकर मिलने वाली जीत का पूरा श्रेय रमन सिंह को जा रहा है। तो पार्टी अंतिम फैसले के रूप में रमन सिंह को सीएम बना सकती है।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री का नाम तय पर्यवेक्षक आज आ रहे रायपुर

राज्य की 90 विधानसभा सीटों में से 55 पर भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली है और पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल किया है। अब रायपुर से लेकर दिल्ली तक मुख्यमंत्री कौन होगा, इसकी चर्चाएं जोरों पर रही। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के बीच बीते तीन दिनों तक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मोदी और शाह की अध्यक्षता में चली बैठक के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पद को लेकर आम सहमति बन गई है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री पद के लिए नाम लगभग तय कर लिए गए हैं। हालांकि छत्तीसगढ़ में भाजपा ने अभी मुख्यमंत्री के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं।

ओम माथुर, नितिन नबीन के साथ आज बीजेपी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक रायपुर आ सकते हैं। रायपुर में ये पर्यवेक्षक विधायकों से रायशुमारी करेंगे, इसके बाद नाम का ऐलान कर दिया जाएगा। इससे पहले बुधवार को छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव जीते 2 सांसदों ने अरुण साव और गोमती साय ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, रेणुका सिंह भी दिल्ली में हैं। इस्तीफे की बात पर उन्होंने कहा कि पार्टी जैसा निर्देश देगी, वैसा करेंगे। इसके बाद ये साफ हो गया कि इन नेताओं की प्रदेश में ही अहम भूमिका रहने वाली है।

छत्तीसगढ़ में सीएम पद को लेकर कई नामों पर चर्चा है। छत्तीसगढ़ में जिन नामों की चर्चा खूब रही है, वो विष्णुदेव साय, गोमती साय, रेणुका सिंह, डॉक्टर रमन सिंह, ओपी चौधरी और अरुण साव हैं. अब बीजेपी आलाकमान ही तय करेगा कि इन सभी में से किसे सीएम की कुर्सी में बिठाया जाएगा।

ईव्हीएम को लेकर भूपेश बघेल का बीजेपी पर संदेह

जब भी ईव्हीएम पर बोलो बीजेपी वाले भड़क जाते हैं

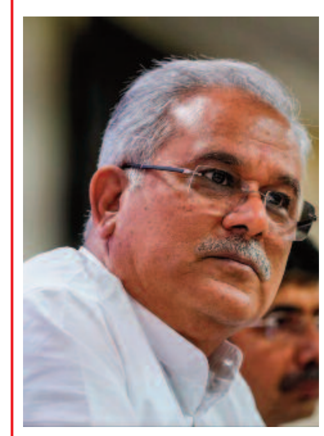

कुछ न कुछ वजह तो जरूर होगा

रायपुर,07 दिसम्बर 2023(ए)। निवर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार पर कहा कि जनता ने जो जनादेश दिया है, वो स्वीकार है. समीक्षा होगा तब पता चलेगा। वहीं ईव्हीई मशीनों पर उठ रहे सवाल पर कहा कि जैसे ही इस बारे में बोलो भाजपा को जोर से मिर्ची लगता है। इतना जोर से क्यों लगता है। इसका कुछ न कुछ तो कारण होगा.

निवर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर पत्रकारों से रू-ब-रू हुए। इस दौरान कांग्रेस सरकार की योजनाओं पर ब्रेक लगाने के कयास पर कहा कि सरकार बनने के बाद पता चलेगा क्या-क्या होता है। नेता बाहर में क्या बयान दे रहे हैं इसका कोई अर्थ नहीं होता। सरकार बन जाए और बनने के बाद निर्णय ले। पहले से दिए जा रहे बयानों पर प्रतिक्रिया देना उचित नहीं समझता।उन्होंने राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के अन्य शहरों में किए जा रहे बुलडोजर कार्रवाई को लेकर कहा कि कोई अदृश्य शक्ति कम कर रही है। गरीबों की जो बस्ती उजाड़ रहे हैं। वह शक्ति कौन है आप लोग भी पहचाने. लेकिन ये उचित नहीं है. वहीं दिल्ली में होने वाली बैठक को लेकर कहा कि जनरल सेक्रेटरी ऑर्गेनाइजेशन की बैठक है. छत्तीसगढ़ के कोर कमेटी मेंबर के साथ बैठक होगी. भूपेश बघेल के साथ टीएस सिंहदेव, दीपक बैज, ताम्रध्वज साहू, चरणदास महंत समेत कई नेता दिल्ली रवाना हुए।

विधानसभा में ब्राम्हण विहीन हुई कांग्रेस

भाजपा के 4 ब्राम्हण जीते

रायपुर,07 दिसम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में इस बार कांग्रेस ब्राम्हणविहीन हो गई है। 2000 से लेकर अब तक यह पहली बार होगा। जब सदन में एक भी कांग्रेस से ब्राम्हण समाज का कोई विधायक नहीं होगा। जबकि सत्ता में फिर लौटी बीजेपी के 4 विधायक जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। इसके अलावा दो अल्पसंख्यक समुदाय के प्रत्याशी रहे मोहम्मद अकबर और कुलदीप जुनेजा भी चुनाव हार गए। इस तरह अब विधानसभा में कोई अल्पसंख्यक विधायक भी नहीं होगा।2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 8 ब्राम्हण समाज के प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा था। जहां सभी प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा। वहीं बीजेपी ने 6 प्रत्याशी उतारे थे जिनमें 4 जीते और 2 हार गए। कांग्रेस की बात करें तो रायपुर ग्रामीण से इस बार सत्यनारायण शर्मा की जगह उनके बेटे पंकज शर्मा, रायपुर पश्चिम से विकास उपाध्याय, रायपुर दक्षिण से महंत रामसुंदर दास, गरियाबंद जिले के राजिम विस से अमितेश शुक्ल, दुर्ग शहर से अरूण वोरा, बेमेतरा जिले के साजा सीट से रविंद्र चौबे, बिलासपुर से शैलेष पांडेय और बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के बलौदाबाजार सीट से शैलेष नितिन त्रिवेदी चुनावी मैदान में थे।

भारतीय जनता पार्टी की बात करें तो रायपुर जिले के धरसींवा सीट से अनुज शर्मा, कवर्धा से विजय शर्मा, बेलतरा सीट से सुशांत शुक्ला, रायपुर उत्तर से पुरंदर मिश्रा, भाटापारा से शिवरतन शर्मा और भिलाई नगर से पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय चुनावी मैदान में थे। इनमें अनुज शर्मा, विजय शर्मा, सुशांत शुक्ला और पुरंदर मिश्रा तो जीत गए, लेकिन प्रेमप्रकाश पांडेय और शिवरतन शर्मा चुनाव हार गए। छत्तीसगढ़ में राजनीतिक पार्टियां जाति का समीकरण बिठाकर ही अपने प्रत्याशी तय करती रही हैं। कुल 90 विधानसभा सीटों में से 39 रिजर्व हैं। 29 एसटी और 10 एससी वर्ग के लिए। 51 सीटें सामान्य हैं। प्रदेश की आधी सीटों पर सबसे ज्यादा प्रभाव ओबीसी का है। चूंकि, 47 प्रतिशत आबादी ओबीसी है, इसलिए एक चौथाई विधायक इसी वर्ग से आते हैं। इस बार दोनों दलों को मिलकार 35 विधायक ओबीसी वर्ग से जीते हैं।

सीजीपीएससी पर पहली कैबिनेट में लाया जाएगा प्रस्ताव

» सीएम के शपथ लेते ही जांच आयोग का होगा गठन

» एफआईआर के साथ सीबीआई जांच करा सकती है सरकार

रायपुर,07 दिसम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग घोटाले की जांच शुरू हो सकती है। भाजपा सरकार की पहली ही कैबिनेट बैठक में पीएससी जांच का प्रस्ताव लाने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री के चयन और शपथ ग्रहण के बाद कैबिनेट की बैठक होगी। ऐसे में सीजीपीएससी मामले को बैठक में रखने की कवायद शुरू कर दी गई है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस्तर की सभा में सरकार बनने के बाद जांच कराने और दोषियों को सजा देने की बात कही है। सभा में पीएम के इस ऐलान के बाद युवाओं ने कांग्रेस से मुंह मोड़ लिया। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार उखड़ने का इसे एक बड़ा कारण भी माना जा रहा है। बता दें कि छत्तीसगढ़ पीएससी का मुद्दा में भाई-भतीजावाद का मामला खुलकर सामने आया था। भाजपा ने इसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था। भूपेश सरकार पर संरक्षण में कांग्रेस नेताओं और अफसरों के पुत्र-पुत्रियों को नौकरी देने का आरोप लगाया था। इस मुद्दे पर खूब राजनीति भी हुई। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के सभी चुनावी सभा में इसे प्रमुखता से उठाया और भुनाया। मोदी ने कहा था कि हमारी सरकार बनी तो युवाओं के साथ हुए मजाक पर कार्रवाई की जाएगी, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। अब नई सरकार में मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण के साथ ही पीएससी घोटाले पर बड़ा फैसला लिया जाएगा। जिन अधिकारियों, कर्मचारियों ने ज्वाइन नहीं किया है, उनकी ज्वाइनिंग भी रोकी जाएगी। छत्तीसगढ़ में सीजीपीएससी में गड़बड़ी का मुद्दा इस चुनाव में प्रमुखता से छाया रहा। भाजपा ने इसे खूब भुनाया और इसका लाभ भी उसे चुनाव में मिला है।

राजनीतिक सूत्रों की मानें तो सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही पीएससी में गड़बड़ी की जांच की घोषणा की जाएगी। इसके लिए एसआईटी जैसे किसी आयोग का गठन किया जा सकता है। जाहिर है, पीएससी चेयरमैन के खिलाफ सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। राज्यपाल सस्पेंड कर सकते हैं, बर्खास्त करने के लिए भी लोकसभा से पारित कराना होगा। चेयरमैन सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लिहाजा उन्हें सस्पेंड भी नहीं किया जा सकता। पुलिस में अगर कोई एफ आई आर दर्ज कराए तभी इसकी जांच हो सकती है। खबर है कि जांच के पश्चात सरकार पुलिस में फिर रिपोर्ट दर्ज कराएगी। वहीं एफ आई आर मामले में हाईकोर्ट तक याचिका पहुंची है। पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने पीएससी भर्ती को लेकर एफ आईआरजांच की मांग उठाई है। अयोग्य लोगों का चयन और प्रश्न के उत्तर गलत होने के बाद भी नंबर दिए जाने का आरोप लगाया है।

जांच होने तक कोर्ट ने नियुक्तियों पर लगाई है रोक

पीएससी परीक्षा 2021 घोटाले को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 18 की नियुक्ति पर रोक लगाया है। अभी तक पीएससी-2021 और 2022 के डिप्टी कलेक्टरों और डीएसपी समेत कई संवर्गो के अफसरों ने ज्वाइन नहीं किया है। बिलासपुर हाई कोर्ट के चीफजस्टिस रमेश सिन्हा ने फैसला होते तक ज्वाइनिंग रोकने का आदेश दिया है। अब प्रदेश में सरकार बदल गई है। महाधिवक्ता सतीशचंद्र वर्मा ने सरकार बदलते ही इस्तीफा दे दिया है। महाधिवक्ता कार्यालय भी इस मामले का बचाव करने की बजाए कार्रवाई पर जोर देगा। पीएससी घोटाले में कड़ी कार्रवाई करना नई सरकार की मजबूरी भी होगी, क्योंकि इसी मसले प्रदेश का युवा कांग्रे सरकार से नाराज हुआ। ऐसा माना भी जा रहा है कि युवाओं का एकतरफा वोट भाजपा को मिले हैं। भाजपा के युवा विंग ने रायपुर में प्रदर्शन किया था। अब कार्रवाई में देरी होगी तो युवाओं का असंतोष बढ़ता जाएगा। वहीं भाजपा के यूथ विंग के दावो और प्रदर्शन पर भी सवाल उठ जाएगा।

निलंबित आईएएस रानू साहू की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

बिलासपुर,07 दिसम्बर 2023(ए)। निलंबित आईएएस अधिकारी रानू साहू की जमानत याचिका पर सुनवाई आज ही जस्टिस नरेन्द्र कुमार व्यास के कोर्ट में उनकी बेल पिटीशन पर हियरिंग होनी थी। कथित कोयला घोटाला मामले में जेल में बंद निलंबित महिला आईएएस अधिकारी रानू साहू की जमानत याचिका पर सुनवाई टल गई है।जानकारी के मुताबिक़ नंबर नहीं आने कारण उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी है। अब 14 दिसंबर को अगली सुनवाई होगी।गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय ने महिला अधिकारी रानू साहू को इसी साल के जुलाई में हिरासत में लिया था। उन पर कथित कोयला घोटाले में शामिल होने का आरोप ईडी की ओर से लगाया गया था। वह फ़िलहाल जेल में बंद है। इस पूरी कार्रवाई के बाद राज्य सरकर ने उन्हें सेवा से निलंबित भी कर दिया था।

कैदियों को मिल रही वीआइपी सुविधाएं बंद

महिला और पुरुष सेल में दी जा रही थी विशेष सुविधाएं

रायपुर,07 दिसम्बर 2023(ए)। मनी लांड्रिंग, कोयला, शराब घोटाला और महादेव एप्प के मामले में रायपुर सेंट्रल जेल में बंद कैदियों की वीआइपी सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। जेल प्रशासन ने सरकार बदलते ही सुविधाओं पर रोक लगा दी है। महिला और पुरुष दोनों सेल में विशेष सुविधाएं मिल रही थी। उन्हें अब सामान्य कैदियों की तरह रखा जा रहा है। उनके साथ ही खाना भी दिया जा रहा है।जेल सूत्रों की मानें तो यह सुविधाएं सोमवार से बंद कर दी गई हैं। अब तक सभी को अलग-अलग बैरक में रखा गया था। वहां उनके खाने से लेकर सोने तक की सुविधाएं अलग थीं। खबर यह भी है कि एसी भी हटवा दी गई है। जेल प्रशासन को अंदेशा है कि कभी भी औचक निरीक्षण हो सकता है। ऐसे में तैयारी कर ली गई है।

वीआइपी कैदी कौन होते हैं

कैदियों को अपनी सामाजिक स्थिति और आर्थिक प्रोफाइल के आधार पर 'वीआइपी स्थिति' के लिए आवेदन करने का अधिकार है। आम तौर पर वीआइपी कैदी के लिए पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री, संसद सदस्य (एमपी), पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, उप-वक्ताओं, मौजूदा सांसद, विधायकों और न्यायिक मजिस्ट्रेट को चुना जाता है। ज्यादातर दोषी राजनेताओं के लिए यह विशेष स्थिति प्राप्त करना बेहतर रहने-खाने की व्यवस्था कर लेने का प्रवेश द्वार है।

भांसी में आगजनी की वारदात को अंजाम देने वाले नौ माओवादी गिरफ्तार

दंतेवाड़ा,07 दिसम्बर 2023(ए)। भांसी थाना क्षेत्र में आगजनी की वारदात को अंजाम देने वाले विधि से संघर्षरत बालक सहित नौ माओवादियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है । पकड़े गए माओवादियों से पुलिस की पूछताछ के बाद कई सारे खुलासे हुए हैं। पुलिस उन खुलासों पर जल्द और ताबड़तोड कार्रवाई करेगी।

भैरमगढ़ एरिया कमेटी एलओएस कमाडर सोनू के साथ 20 से 25 माओवादियों ने आगजनी की वारदात को अंजाम दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी माओवादी मुंडेर की जंगलों की ओर भागे थे। पकड़े गए माओवादियों से पुलिस की पूछताछ के बाद कई सारे खुलासे हुए हैं। पकड़े गए सात माओवादियों को पुलिस ने जेल भेज दिया है। वहीं दो नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेजा गया है।

दशरू ओयाम (सीएनएम सदस्य), संतोष उर्फ पाकलू मण्डावी (डीएकेएमएस सदस्य), गोपी कुंजाम (डीएकेएमएस सदस्य), छोटू ओयाम (सीएनएम सदस्य), राकेश कड़ियाम (सीएनएम सदस्य), लालू कड़ती (सीएनएम सदस्य), मनीराम ओयाम (सीएनएम सदस्य)

संशोधित शाला में ज्वॉइनिंग करने का दिया आदेश

प्रभावित शिक्षकों के बीच खुशी का आलम

बिलासपुर,07 दिसम्बर 2023 (ए)। शिक्षा विभाग में हुए पोस्टिंग घोटाले में कार्रवाई के बाद हाई कोर्ट की शरण लेने वाले सहायक शिक्षकों के पक्ष में फैसला आया है। हाईकोर्ट ने 10 दिन के भीतर याचिकाकर्ताओं को संशोधित शाला में ज्वाइनिंग देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार की तरफ से जारी किये गये गलत व्याख्या वाले आदेश के निरस्त कर दिया है।

संशोधित शालाओं से वापस बुला लिया था शिक्षकों को

शिक्षा विभाग के अंतर्गत सहायक शिक्षकों के प्रमोशन की प्रक्रिया अप्रैल मई में शुरू हुई थी। इस दौरान पोस्टिंग में कई शिक्षकों को दूर दराज के क्षेत्रों और दूसरे जिलों में पोस्टिंग दे दी गयी। पोस्टिंग से असंतुष्ट हजारों शिक्षकों ने आदेश में संशोधन के लिए आवेदन किया। इस दौरान संशोधन करते हुए कई शिक्षकों को निकट के स्कूलों में पोस्टिंग मिली। इस बीच यह उजागर हुआ कि शिक्षकों से लाखों रूपये लेकर उनकी पोस्टिंग में संशोधन किया गया है। इस मामले में कार्यवाही करते हुए कई अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया, साथ ही 4 सितंबर को सचिव स्कूल शिक्षा विभाग की तरफ से शिक्षकों की नयी पोस्टिंग को निरस्त करते हुए शिक्षकों को संशोधित स्कूलों से एकतरफा मुक्त कर दिया गया था।

कोर्ट ने दिया स्टे तो बढ़ गई मुश्किलें

शिक्षा विभाग के आदेश के खिलाफ शिक्षकों ने हाईकोर्ट में याचिका लगायी। 11 सितंबर को हुई सुनवाई में जस्टिस अरविंद चंदेल ने यथास्थिति का आदेश दिया। जिसके चलते शिक्षकों की मुश्किलें बढ़ गयी, वे ना तो स्कूलों में ज्वाइन कर पाये और ना ही संशोधित शाला में लौट पाये। 3 नवंबर को हाईकोर्ट ने अंतिम निर्णय पारित किया, जिसमें याचिकाकर्ता सहायक शिक्षकों के अभ्यावेदन पर 45 दिनों के भीतर नये सिरे से निर्णय लेने के लिए सचिव स्कूल शिक्षा विभाग के नेतृत्व में कमेटी बनाने को कहा गया।

कोर्ट ने कहा- राज्य सरकार ने की गलत व्याख्या

इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 10 दिनों के भीतर याचिकाकर्ताओं को संशोधित शाला में ज्वाइनिंग देने का निर्देश दिया है। साथ ही राज्य सरकार की तरफ से गलत व्याख्या वाले आदेश को निरस्त कर दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद अब शिक्षकों को पोस्टिंग के लिए संशोधित किये गए शालाओं में जॉइनिंग कराना पड़ेगा। कोर्ट के इस फैसले के बाद प्रभावित शिक्षकों ने खुशी जताई है।

दो लाख का ईनामी नक्सली गिरफ्तार

राजनांदगांव,07 दिसम्बर 2023(ए)। पीएलजीए सप्ताह मना रहे नक्सलियों के खिलाफ गश्त अभियान के दौरान पुलिस ने एक नक्सली को गिरफ्तार किया। महाराष्ट्र की गढ़चिरौली पुलिस ने दो लाख रुपए के एक ईनामी नक्सली को गिरफ्तार किया है। पुलिस के हत्थे चढ़ा उक्त नक्सली छत्तीसगढ़ के बीजापुर का रहने वाला है। मिली जानकारी के मुताबिक गढ़चिरौली जिले में पीएलजीए सप्ताह के दौरान हिंसक वारदात से निपटने के लिए सुरक्षाबलों का सर्चिंग अभियान चल रहा है। गश्त के बीच गढ़चिरौली के दरमांचा बेस कैम्प के पास एक संदिग्ध व्यक्ति नजर आया। पुलिस ने उक्त व्यक्ति को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान महेन्द्र किशतैया के रूप में पुलिस ने शिनाख्ती की। लंबे समय से वह गढ़चिरौली जिले में सक्रिय रहा है। नक्सल संगठन में रहते उसने कई हिंसक वारदातों को अंजाम दिया है। जिसमें डकैती, आगजनी तथा अन्य आपराधिक वारदात शामिल है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)